RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 138 ● भिलाई, गुरुवार 04 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी नौसेना ने क्यों नहीं की कार्रवाई

नईदिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी हमले का बदला लेने के लिए भारत की ओर से मई में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने अपनी सेना और वायुसेना का जवाबी कार्रवाई में इस्तेमाल किया था, लेकिन उसकी नौसेना पूरी तरह से कार्रवाई से बाहर रही थी। अब भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने बताया कि उस दौरान नौसेना ने आक्रामक रुख के माध्यम से पाकिस्तानी नौसेना अपने बंदरगाहों के करीब रहने के लिए मजबूर हुई थी। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आक्रामक रुख और युद्धक विमानवाहक समूह की तैनाती की तत्काल कार्रवाई ने पाकिस्तानी नौसेना को अपने बंदरगाहों या मकरान तट के पास रहने के लिए मजबूर कर दिया। भारतीय नौसेना प्रमुख ने यह भी दोहराया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है और वास्तव में समाप्त नहीं हुआ है। पाकिस्तान की किसी भी नापाक हरकत का जवाब देने के लिए देश की तीनों सेनाएं हमेशा तैयार खड़ी है।

आरोपी आमिर रशीद अली की एनआईए हिरासत सात दिन और बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने लालकिला ब्लास्ट मामले के आरोपी आमिर रशीद अली की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) हिरासत सात दिनों के लिए बढ़ा दिया. प्रिंसिपल एंड डिस्ट्रिक्ट जज अंजु बजाज चांदना ने एनआईए हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया है. दरअलल, मंगलवार को आमिर रशीद अली की एनआईए हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया था. आरोपी आमिर रशीद अली को एनआईए ने 16 नवंबर को गिरफ्तार किया था. राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस मामले में अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इसके पहले कोर्ट ने 27 नवंबर को मामले के आरोपी और आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी के सहयोगी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश की एनआईए हिरासत सात दिनों के लिए बढ़ाया था. एनआईए ने दानिश को श्रीनगर से गिरफ्तार किया था. एनआईए के मुताबिक, दानिश ने ड्रोन में तकनीकी बदलाव किए।

बीजापुर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़

मुठभेड में 12 नक्सली ढेर.....तीन जवान बलिदान,दो घायल

बीजापुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बुधवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 12 नक्सलियों को मार गिराया तथा इस घटना में तीन जवानों की भी मृत्यु हो गयी. पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि बीजापुर-दंतेवाड़ा जिले की सीमा से लगे पश्चिम बस्तर डिवीजन इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए तथा तीन जवानों की भी मृत्यु हो गई एवं दो जवान घायल हो गये. जिले के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि बीजापुर-दंतेवाड़ा जिले की सीमा से लगे पश्चिम बस्तर डिवीजन इलाके में आज सुबह नौ बजे जिला रिजर्व गार्ड दंतेवाड़ा-बीजापुर, एसटीएफ और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा बटालियन को गश्त पर रवाना किया गया था. यादव ने बताया कि अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच लगातार रुक-रुक कर गोलीबारी चलती रही तथा क्षेत्र में सुरक्षाबलों की निर्णायक एवं आक्रामक कार्रवाई जारी है. बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टलिंगम ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से अब तक 12 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं तथा एसएलआर राइफलें, .303 राइफलें तथा अन्य हथियार और गोला-बारूद भी जब्त किए गए हैं. उन्होंने कहा कि मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है. सुंदरराज ने बताया कि इस मुठभेड़ में डीआरजी बीजापुर के तीन जवान प्रधान आरक्षक मोनू वडाड़ी, आरक्षक दुकारू

गोंडे और जवान रमेश सोड़ी की भी मृत्यु हो गयी जबकि डीआरजी के दो अन्य जवान घायल हो गये. उन्होंने कहा कि घायल जवानों को प्राथमिक उपचार प्रदान कर दिया गया है.पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि क्षेत्र में लगातार खोज अभियान जारी है तथा अतिरिक्त बलों को रवाना किया गया है. अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई के साथ इस साल अब तक छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में 275 नक्सली मारे जा चुके हैं. इनमें से 246 बीजापुर समेत सात जिलों वाले बस्तर क्षेत्र में मारे गए. वहीं 27 नक्सली रायपुर क्षेत्र के अंतर्गत गरियाबंद जिले में मारे गए. राज्य के दुर्ग क्षेत्र के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में दो नक्सली मारे गए . यह मुठभेड़ ऐसे समय में हो रही है जब 16 दिन पहले ही देश के सबसे खूंखार नक्सली कमांडरों में से एक माड़वी हिड़मा 18 नवंबर को मारे गए थे। जानकारी के मुताबिक, ष्ठक्रत्र (जिला रिजर्व गार्ड),(स्पेशल टास्क फोर्स) और कोबरा बटालियन की संयुक्त टीम वेस्ट बस्तर डिवीजन की तरफ सर्च ऑपरेशन के लिए निकली थी। जवानों के ऑपरेशन के दौरान पहले से ही घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसका जवान मुस्तैदी से जवाब दे रहे हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने सुरक्षाबलों को हिड़मा को खत्म करने के लिए 30 नवंबर तक की डेडलाइन दी थी।

रायगढ़ में आरपीएफ कांस्टेबल की गोली मारकर हत्या

रायगढ़. छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बुधवार सुबह रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के एक हेड कांस्टेबल की उसके सहयोगी ने कथित रूप से गोली मारकर हत्या कर दी. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. घटना सुबह लगभग चार बजे रायगढ़ रेलवे स्टेशन पर स्थित आरपीएफचौकी पर हुई. थानाधिकारी कुलदीप कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हेड कांस्टेबल केएस लादेर ने किसी बात को लेकर विवाद के बाद अपनी र्सिवस पिस्तौल से हेड कांस्टेबल पीके मिश्रा (45) पर चार बार गोली चलाई, जिसके चलते घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई. उन्होंने कहा कि हत्या का कारण अभी पता नहीं चल पाया है. घटना के तुरंत बाद, राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने आरोपी को गिरफ्तार करके उसकी पिस्तौल जब्त कर ली.

जनसंपर्क और ज़मीनी विरोध पर ज़ोर

मोदी ने बंगाल सांसदों को दिया चुनावी सफलता का फार्मूला....

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज संसद में पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि राज्य के मौजूदा हालात में स्पष्ट संवाद और जन-सम्पर्क की ज़रूरत है, और पार्टी को ज़मीनी स्तर पर जो कुछ हो रहा है, उसका कड़ा विरोध करना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, 2026 की तैयारियों के संबंध में, प्रधानमंत्री ने सांसदों से विस्तृत प्रस्तुतियाँ तैयार करने और आगामी राजनीतिक योजना व लामबंदी के लिए पूरी तैयारी सुनिश्चित करने को कहा। प्रधानमंत्री के एक करीबी सूत्र के अनुसार,

मोदी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि एसआईआर को ज़्यादा जटिल नहीं बनाया जाना चाहिए और यह संदेश ज़मीनी स्तर तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने प्रक्रिया में स्पष्टता और दक्षता पर ज़ोर देते हुए कहा कि एसआईआर अभियान को सरल और पारदर्शी रखें। इसका उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि योग्य मतदाताओं को शामिल किया जाए और जो योग्य नहीं हैं उन्हें हटाया जाए। उन्होंने सांसदों से 2026 के विधानसभा चुनावों की तैयारी में पार्टी को केंद्रित और आश्वस्त बनाए रखने का भी आह्वान किया। सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी की ताकत का लाभ उठाने और वर्षों से बनी गति को बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों से कहा कि सांसद खगेन मुर्मू पर हमले जैसी घटनाओं को प्रभावी ढंग से उजागर किया जाना चाहिए।

रांची के बाद रायपुर में भी सुरक्षा में सेंध, मैच के दौरान विराट के करीब पहुंचा प्रशंसक; छुए पैर

रायपुर। रायपुर में खेले जा रहे दूसरे वनडे मैच में खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर किए गए इंतजामों पर सवाल खड़े हो गए हैं। ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान एक प्रशंसक विराट कोहली के करीब पहुंच गया और उसने उनके पैर छुए। हालांकि, तभी मैदानकर्मी मौके पर पहुंचे और उसे बाहर लेकर गए।भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे दूसरे वनडे में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने एक बार फिर धमाकेदार प्रदर्शन से प्रशंसकों का दिल जीता है। उन्होंने 90 गेंदों में अपने वनडे करियर का 53वां शतक जड़ा। इस मैच में भी स्टेडियम की सुरक्षा पर सवाल खड़े हुए। दरअसल, ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान एक प्रशंसक किंग कोहली के करीब पहुंचा।

न योजना,न चर्चा,न संवाद

मोदी सरकार बहुजनों से कर रही विश्वासघात-राहुल गांधी

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को जाति जनगणना के संबंध में संसद में कोई रूपरेखा या चर्चा न होने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बहुजनों के साथ विश्वासघात किया है। राहुल गांधी ने संसद में उनसे पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर साझा किया और आरोप लगाया कि केंद्र जाति जनगणना कराने की कोई इच्छा नहीं रखता है। गांधी ने ङ्क पर पोस्ट किया कि संसद में मैंने सरकार से जाति जनगणना के बारे

में एक प्रश्न पूछा - उनका जवाब चौंकाने वाला है। कोई ठोस रूपरेखा नहीं, कोई समयबद्ध योजना नहीं, संसद में कोई चर्चा नहीं और जनता से कोई संवाद नहीं। अन्य राज्यों में सफल जाति जनगणना की रणनीतियों से सीखने की भी कोई इच्छा नहीं है। जाति जनगणना पर मोदी सरकार का यह रुख देश के बहुजनों के साथ विश्वासघात है। राहुल गांधी ने दशवार्षिक जनगणना की तैयारी के लिए प्रमुख प्रक्रियात्मक चरणों का विवरण और संभावित समय-सीमा, जिसमें प्रश्न तैयार करना और समय-सारिणी शामिल है, के बारे में पूछा है; क्या सरकार जनगणना के प्रश्नों का मसौदा प्रकाशित करने और इन प्रश्नों पर जनता या जनप्रतिनिधियों से सुझाव लेने का प्रस्ताव रखती है। और क्या सरकार विभिन्न राज्यों में किए गए जाति सर्वेक्षणों सहित पिछले अनुभवों पर विचार कर रही है, और यदि हाँ।

गौरव गोगोई ने मांग

जुबिन गर्ग को सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिले..

नयी दिल्ली। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने गायक जुबिन गर्ग की ''हत्या'' का मुद्दा बुधवार को लोकसभा में उठाया और केंद्र सरकार से आग्रह किया कि उन्हें सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' (मरणोपरांत) से सम्मानित किया जाए। गोगोई ने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया और गर्ग की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि वह हमेशा ''हमारे कंचनजंघा'' बने रहेंगे। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोगोई ने यह सवाल भी किया कि जब गर्ग भारत सरकार के कार्यक्रम के लिए सिंगापुर गए थे, तो उनकी हत्या वहां

कैसे हो गई? उन्होंने कहा, ''मेरा केंद्र सरकार से आग्रह है कि जुबिन गर्ग को सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया जाए।'' राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने गोगोई की इस मांग से खुद को संबद्ध किया।

हरिद्वार में गंगा जी में विसर्जित हुईं धर्मेंद्र की अस्थियां, करण देओल ने किया विसर्जन

हरिद्वार। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन के बाद देओल परिवार शोक में है। अब आज अभिनेता सनी देओल ने पिता धर्मेंद्र की अस्थियों को हरिद्वार में गंगा जी में प्रवाहित किया। सनी ने पूरी रीति-रिवाजों व पूजन के साथ गंगा जी में पिता की अस्थियों का प्रवाह किया। इस दौरान परिवार के बाकी लोग भी मौजूद रहे। अस्थि-विसर्जन की मुख्य प्रक्रिया सनी देओल के पुत्र करण देओल द्वारा की गई। जानकारी के मुताबिक, देओल परिवार आज सुबह करीब 11:00 बजे हरिद्वार के श्रवण नाथ नगर क्षेत्र स्थित पीलीभीत हाउस के घाट पर पहुंचा, पंडितों की उपस्थिति में धार्मिक संस्कारों के अनुसार अस्थियां गंगा में प्रवाहित की गईं।

सांसद में कहा-इसकी स्वीकार्यता बढ़ रही

सरकार ने संचार साथी एप के प्री इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता हटाई

नई दिल्ली। संचार साथी एप कर केंद्र सरकार का बड़ा बयान सामने आया है। सरकार ने फोन में इस एप के प्री-इंस्टॉलेशन को जरूरी नहीं बताया है। दूरसंचार मंत्रालय ने एक्स (ङ्क) पर एक पोस्ट जारी कर इस एप की प्री-इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता को हटाने की जानकारी दी है। मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा, सभी नागरिकों को साइबर सुरक्षा का लाभ देने के उद्देश्य से सरकार ने सभी स्मार्टफोन्स में संचार साथी एप को प्री-इंस्टॉल करना अनिवार्य किया था। यह एप पूरी तरह सुरक्षित है और इसका मकसद सिर्फ नागरिकों को साइबर दुनिया के अपराधियों से बचाना है... संचार साथी की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए, सरकार ने मोबाइल निर्माताओं के लिए

अनिवार्य प्री-इंस्टॉलेशन को हटाने का फैसला लिया है। बता दें कि केंद्र सरकार के इस कदम को एपल के फैसले से भी जोड़कर देखा जा रहा है। 28 नवंबर को सरकार से आदेश मिलने के बाद स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी एपल (श्चश्चद्यद्ग) ने इसका पालन करने से इंकार कर दिया था। कंपनी ने कहा था कि यह कदम आईफोन यूजर्स के निजी डेटा को खतरे में डाल सकता है। एपल ने रॉयटर्स के हवाले से कहा था कि कंपनी अपनी चिंताएं सरकार के सामने रखेगी। मंत्रायल के मुताबिक यह एप जन भागीदारी को बढ़ावा देता है, क्योंकि नागरिक किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की रिपोर्ट कर सकते हैं और खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस एप का कोई अन्य उद्देश्य नहीं है और यदि उपयोगकर्ता चाहें तो वे इसे कभी भी अनइंस्टॉल कर सकते हैं। बता दें कि स्मार्टफोन में एप के प्री-इंस्टॉलेशन को 90 दिनों के भीतर अनिवार्य बनाने के आदेश के बाद विपक्ष ने संसद में कड़ा विरोध दर्ज कराया था।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

200 यूनिट प्रति माह तक बिजली बिल में मिलेगा 50 प्रतिशत छूट का लाभ....

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में राज्य के घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को बिजली बिल में रियायत देने के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान राज्य के घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत देने के लिए मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान राज्य में 01 दिसम्बर 2025 से लागू है, जिसके तहत घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को 100 यूनिट से बढ़ाकर अब 200 यूनिट प्रति माह तक बिजली बिल में 50 प्रतिशत छूट का लाभ मिलेगा. यह लाभ 400 यूनिट तक खपत वाले उपभोक्ताओं को भी मिलेगा. राज्य में 200 से 400 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को अगले एक वर्ष तक 200 यूनिट तक, बिजली बिल में 50 प्रतिशत छूट का लाभ मिलेगा, इससे 6 लाख उपभोक्ता लाभान्वित होंगे, ताकि इस अवधि में वे अपने घरों में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर प्लांट स्थापित करा सके. इस तरह मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान से

प्रदेश के 42 लाख उपभोक्ता लाभान्वित होंगे, वहीं प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना का लाभ प्रदेश के सभी उपभोक्ताओं को मिलेगा.गौरतलब है कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत राज्य शासन की ओर से सब्सिडी दी जा रही है, जिसके तहत 1 किलोवॉट क्षमता के सोलर प्लांट पर 15,000 रुपये तथा 2 किलोवॉट या उससे अधिक क्षमता के प्लांट पर 30,000 रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी दी जा रही है. यह व्यवस्था राज्य में सौर ऊर्जा अपनाने को प्रोत्साहित करेगी और आने वाले समय में उपभोक्ताओं को हाफ बिजली से फ्री बिजली की ओर ले जाएगी. छत्तीसगढ़ भण्डार क्रय नियम, 2002 में स्थानीय लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों से क्रय को प्रोत्साहन देने तथा जेम पोर्टल में क्रय की स्पष्टता के लिए संशोधन किए जाने का निर्णय लिया गया.

घुसपैठियों की उल्टी गिनती शुरू

रोहिंग्या,बांग्लादेशी खोजे जाएंगे होगी कड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य भर में कथित रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई शुरू की है और राज्य के हर संभाग में हिरासत केंद्र स्थापित करने के आदेश जारी किए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 17 शहरी स्थानीय निकायों को अपने अधिकार क्षेत्र में अवैध प्रवासियों की विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। ये सूचियाँ आगे की जाँच के लिए संबंधित आयुक्तों और

महानिरीक्षकों को सौंपी जाएँगी। मुख्यमंत्री ने सभी 18 संभागों के संभागीय आयुक्तों और 18 रेंजों के पुलिस महानिरीक्षकों को प्रत्येक संभाग में एक निरोध केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया है ताकि अवैध प्रवासियों को उनके निर्वासन तक रखा जा सके।

CMYK

छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा ने राष्ट्रपति के नाम पर सौंपा ज्ञापन

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा ने डौंडीलोहारा अनुविभागीय अधिकारी / जिले के कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम पर ज्ञापन सौपा जिसमें देशव्यापी किसान आन्दोलन के पांच साल पूरा होने के अवसर पर संयुक्त किसान मोर्चा दिल्ली के देशव्यापी आह्वान पर संयुक्त किसान मोर्चा छत्तीसगढ़ द्वारा जिला कलेक्टरों के माध्यम से आपको ज्ञापन प्रेषित कर किसानों, मजदूरों सहित आम मेहनतकश वर्ग की विभिन्न समस्याओं एवं राज्य सरकार की नीतियों के संबंध में निम्नलिखित मांगों को रख रहें। सी 2+50 प्रतिशत फार्मूला के आधार पर सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी लागू किया जाए और उस पर खरीद सुनिश्चित की जाए। भाजपा के घोषणा पत्र के आधार पर देश के सभी राज्यों में धान की कीमत 3100 रु. प्रति क्विंटल और दो साल साल के बढ़े हुए एमएसपी जोड़कर 3286 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी किया जाए।छत्तीसगढ़ में एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन से वंचित किसानों का पूर्व वर्ष की पंजीयन वो आधार पर फसल की खरीदी किया जाये तथा पंजीयन की प्रक्रिया धान खरीदी तक जारी रखा जाए साथ ही राजीव गांधी किसान न्याय योजना का बकाया एक किस्त किसानों को भुगतान किया जाए। बिजली क्षेत्र का निजीकरण रदद कर स्मार्ट मीटर को बाहर किया जाये। ग्रामीण इलाकों को प्रति दिन 24 घंटे बिजली उपलब्ध हो. जिसमें सिंचाई के लिए पंप सेट शामिल हों।

बढ़ी हुई बिजली दर वापस लिया जाए।कॉरपोरेट हित में किये जा रहे जल, जंगल, जमीन और पर्यावरणीय क्षति को रोका जाए। वर्तमान खरीफ सीजन में कीट प्रकोप एवं बेमौसम बारिश से फसलों को हुए नुकसान का मूल्यांकन प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत् किसान के खेत को इकाई मानकर किया जाये क्योंकि बीमा की राशि किसानों के खेत की रकबा के अनुसार ली जाती है परंतु नुकसान का मूल्यांकन ग्राम में हुए नुकसान की प्रतिशत के आधार पर किया जाता है जो कि दोषपूर्ण मूल्यांकन है। इसलिए ग्राम को इकाई न मानकर प्रभावित किसान के खेत को इकाई माना जाये तथा फसल क्षतिपूर्ति प्रदान किया जाये। बिना किसान किताब के तुरंत रजिस्ट्री एवं नामांतरण करने संबंधी आदेश को प्रभाव से रद्द किया जाये क्योंकि इससे भू-माफिया सक्रीय होंगे और किसानों के साथ धोखाधडी बढ़ेगी। कम पढ़े लिखे और ग्रामीण किसान अपने जमीन से वंचित हो जायेंगे।पांचवी व छठी अनुचूचि क्षेत्रों में पेसा कानून का पालन किया जाये। वन क्षेत्र में रह रहे आदिवासी एवं गैर आदिवार्यियों को वन अधिकार पटटा प्रदान किया जाये।सभी सार्वजनिक संस्थाओं में कार्यरत अनियमित, अंशकालिक एवं संविदा कर्मचारियों को स्थायी व नियमित किया जाकर प्लेसमेंट एजेंसी बंद किया जाए। पूर्व में लागू श्रम कानूनों का पालन किया जाए नयी श्रम संहिता रद्द किया जाए।किसानों को पर्याप्त यूरिया, डीएपी, सुपर फॉस्फेट, जिंक और पोटाश उपलब्ध कराया तथा उर्वरकों की कालाबाजारी पर रोक लगायी जाए।राजस्व एवं कृषि भूमि क्षेत्र में विचरण करने वाले जंगली सुअर को वन्यप्राणी अधिनियम से पृथक किया जाये। छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष जनक लाल ठाकुर ने अनुविभागीय दंडाधिकारी के समक्ष किसानों की समस्याओं को रखा और वर्तमान में धान खरीदी में समस्याओं को तत्काल प्रभाव से निराकरण करने को कहा उन्होंने बताया की धान मंडी में किसानों को स्टॉक लगाने को कहा जाता है जबकि ये उनका काम नहीं है, मंडी में प्रर्याप्त मात्र कर्मचारियों की कमी है, जिला किसान संघ के अध्यक्ष गैद सिंह ठाकुर ने कहा किसानों की बेमौसम बारिश से फसल का काफी नुकसान हो गया जिस पर सरकार अभी तक को नीति नहीं बना पाया। सरकार द्वारा निर्धारित 21 क्विंटल मानक प्रति एकड़ के हिसाब से धान खरीदी किया जाना हैं।

विश्व एड्स दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

बेमेतरा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर द्वारा संचालित स्टेट प्लान ऑफ एक्शन कैलेंडर 2025 के अनुसार विश्व एड्स दिवस के अवसर पर अध्यक्ष / प्रधान जिला न्यायाधीश सरोज नंद दास के मार्गदर्शन में व अनिता कोशिमा रावटे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के निर्देशन में विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा 1 दिसम्बर 2025 से 15 दिसम्बर तक चलाया जा रहा है जिसके संबंध में जिला चिकित्सालय बेमेतरा, मणीकंचन केन्द्र बेमेतरा, उप स्वास्थ्य केन्द्र कंतेली एवं तालुका स्तर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र साजा जिला बेमेतरा में विश्व एड्स दिवस पर विधिक जागरूक्ता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में उपस्थित लोगों को बताया कि एड्स एक लाईलाज बीमारी है जो असुरिक्षत यौन संबंध बनाने, एचआईवी से संक्रमित व्यक्ति की इंजेक्शन को किसी दूसरे व्यक्ति के साथ साझा करने से, गर्भावस्था, प्रसव या स्तनपान के दौरान अगर कोई महिला एच.आई.वी. से संक्रमित है तो वह अपने बच्चें को भी संकमित कर सकती है एवं संक्रमित व्यक्ति के द्वारा रक्त का आदान-प्रदान करने से भी एड्स हो सकता है। एड्स से संक्रमित व्यक्ति के इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है, जिससे शुरूआत के लक्षण सर्दी-जुकाम, खांसी प्रारंभ होता है, जो हमेशा बना रहता है और वजन कम होने लगता है। साथ ही एड्स से ग्रसित व्यक्ति में रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कम हो जाती है। एड्स से बचाव के उपाय बताते हुए यह भी कहा कि यह एक वायरस है, जो पानी एवं हवा से नहीं फैलता है साथ ही एच.आई.वी. पीड़ित महिला भी एक स्वस्थ्य बच्चे को जन्म दे सकती है। एड्स पीड़ित व्यक्ति को समाज में सम्मान के साथ जीने का हक है, उसके साथ संवेदना पूर्ण व्यवहार करना चाहिए इसे छुआछूत की भावना से नहीं देखने का भी संदेश दिया गया साथ ही अगर किसी एड्स जैसे गंभीर बीमारी से पीड़ित व्यक्ति के साथ किसी भी प्रकार का मानव दुर्व्यवहार या अपराध किया जाता है तो वह विधिक सेवा प्राधिरकण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकता है। उक्त कार्यक्रम में जिला हॉस्पिटल बेमेतरा के डॉ. बी.एल.राज जिला स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. लोकेश साहू सिविल सर्जन, डॉ. चंद्रप्रकाश नोडल अधिकारी, पुरानिक नायक काउंसलर, दीपांजली डेनियल नर्स स्टाफ सहित हास्पिटल के कर्मचारीगण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकार मित्र उपस्थित रहे।

सरपंच के प्रयासों से गुलजार हुआ कोनारी का बाजार विधायक ने मंडी बोर्ड से दिलाई है लाखों की स्वीकृति

कोनारी में हॉट बाजार का पंचायत द्वारा व्यवस्थापन

डोंगरगांव नगर। नगर से 5 किमी दूर स्टेटहाइवे स्थित ग्राम पंचायत कोनारी में सड़क किनारे लगने वाले हॉट बाजार को अन्यत्र स्थापित किया गया है। ग्राम पंचायत सरपंच की पहल पर तथा विधायक की सौगात से उक्त हॉट बाजार अब तालाब किनारे नवनिर्मित नए सुविधायुक्त बाजार चबूतरा शेड में विस्थापित कर दिया गया है। नए व्यवस्थापन से कोनारी चौक में सड़क किनारे व स्कूल के सामने अनावश्यक भीड़ से राहगीरों व स्थानीय ग्रामीणों को निजात मिल गई है। उल्लेखनीय है कि स्टेटहाइवे में राजनांदगाँव डोंगरगांव व तुमड़ीबोड तिराहे में स्थित ग्राम पंचायत कोनारी में प्राथमिक स्कूल के सामने लगभग 7 वर्षों से हाट बाजार संचालित हो रहा था। उक्त बाजार मेनरोड किनारे में भीड़ लगने से अव्यवस्थित होने के साथ ही स्कूल के वातावरण के नजरिये से भी अनुचित प्रतीत होता था। इस विषय को लेकर स्कूल प्रबंधन से लेकर विद्यार्थी बच्चों के पालकों में भी ग्राम पंचायत व प्रशासन के प्रति नकारात्मकता की स्थिति बनी हुई थी। स्कूल प्रबंधन व ग्रामीणों की मांग पर सरपंच चिंतामणी हरिशंकर सिन्हा के प्रयास एवं तत्कालिक जनपद अध्यक्ष टिकेश साहू के सहयोग से विधायक दलेश्वर साहू ने गत कार्यकाल दौरान मंडी बोर्ड से सब्जी मार्केट चबूतरा शेड के लिए लगभग 48 लाख की स्वीकृति दिलाई थी। उक्त राशि 4 चबूतरा शेड निर्माण हुए हैं। वहीं ग्राम पंचायत द्वारा शौचालय की व्यवस्था की गई। उक्त स्थल में विधायक की सौगात से स्वीकृत बाजार चबूतरा निर्माण पूर्ण होने उपरांत गणमान्यजनो ने पूजन कर नए स्थल में बाजार चबूतरा शेड का विधिवत उदघाटन किया।

स्वास्थ्यमंत्री ने किया सिन्हा समाज भवन का उद्घाटन

रक्तदान शिविर में 51 रक्तवीरों को हेलमेट वितरण, सिन्हा समाज का महोत्सव एवं रक्तदान शिविर

डोंगरगांव नगर। सिन्हा समाज द्वारा जिला स्तरीय महोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्याम बिहारी जायसवाल, स्वास्थ्य मंत्री छगशासन ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर सामाजिकजनों को प्रगति पथ पर अग्रसर होने आव्हान किया। इस मौके पर नवचेतना फाउंडेशन नई दिशा नई सोच कलंगपुर द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 51 रक्तवीरों को हेलमेट वितरण व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिला स्तरीय महोत्सव की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष चमन लाल सिन्हा ने की। अति विशिष्ट अतिथि रूपनारायण सिन्हा योग आयोग अध्यक्ष छगशासन, यज्ञदत्त शर्मा उपाध्यक्ष लघु वनोपज छगशासन, योगेश्वर राजू सिन्हा विधायक महासमुंद, यशवंत जैन प्रदेश महामंत्री, चमन देशमुख जिला अध्यक्ष भाजपा, वीरेंद्र साहू पूर्व विधायक गुंडरदेही, राजेंद्र राय पूर्व विधायक गुंडरदेही, तारिणी पुष्पेंद्र चंद्राकर अध्यक्ष जिला पंचायत बालोद, विजय सिन्हा अध्यक्ष नगर पालिका बेमेतरा, पुष्पेंद्र चंद्राकर अध्यक्ष जनपद पंचायत गुंडरदेही, प्रमोद जैन अध्यक्ष नगर पंचायत गुंडरदेही एवं युवराज मारकंडे अध्यक्ष भाजपा मंडल गुंडरदेही शामिल हुए। रक्तदान शिविर में 51 रक्तवीरों ने रक्तदान कर जागरूकता प्रदर्शित की। रक्तवीरो को संस्था द्वारा सड़क सुरक्षा कवच हेलमेट प्रदान किया गया। डॉ अजित सिंग एवं समाजसेवी हितेश जैन ने रक्तदाताओं को सम्मान प्रदान किया। रक्तवीर फनेंद्र जैन व हितेश जैन रक्तदाता को 130वीं बार रक्तदान करने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम दौरान प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम के सीधा प्रसारण को सामूहिक तौर पर श्रवण किया गया। उक्त अवसर पर विकास जैन जिला भाजयुमो महामंत्री, सतीश साहू भाजपा नेता, टोमन साहू किसान नेता, चमन कुमार डड़सेना, सीएमओ डॉ. वीके, अरविंद टंडन एमएलसी, वंदन राजेंद्र हिरवानी जनपद सदस्य, पुष्पा गोविन्द सिन्हा सरपंच एवं समस्त ग्रामीणजन सहित भाजपा के कार्यकर्तागण शामिल हुए।

शिक्षक ने अपनी शिक्षिका पत्नी के पदोन्नति पर कराया न्योता भोज

बेमेतरा। शासकीय विद्यालयों में संचालित शासन की महत्वाकांक्षी योजना मध्यान भोजन के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक शाला बिटकुली संकुल नवागांव में राकेश ठाकुर सहायक शिक्षक के द्वारा अपनी शिक्षिका पत्नी के प्रधान पाठक माध्यमिक शाला पद पर पदोन्नति की खुशी में न्यौता भोज का आयोजन कराया गया। इस आयोजन में दोनों विद्यालयों के बच्चों को खीर, पुरी, चावल, दाल, सब्जी, पापड़ एवं मिठाई परोसा गया। आयोजन में माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक तीरथ राम साहू प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक पूरनलाल साहू शिक्षक पद्मराज सिंह भुवाल, जितेंद्र कुमार पाटिल ग्राम वासी, शाला प्रबंधन समिति के सदस्य समारू राम पाटिल, कौशल पाटिल, पूर्णिमा पाटिल एवं अन्य शामिल हुए।

बीएलओ टीम द्वारा शत-प्रतिशत एसआईआर पूर्ण करने पर विधायक दीपेश साहू ने किया सम्मान

बेमेतरा। बेमेतरा नगर में निर्धारित समय से पूर्व शत-प्रतिशत एसआईआर कार्य पूर्ण कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बीएलओ टीम का बेमेतरा विधायक दिपेश साहू द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने स्वयं सभी बीएलओ का सम्मान किया तथा उनके दायित्व-निष्ठ कार्य की सराहना की। इस दौरान में शहर मण्डल एसआईआर प्रभारी रेवा राम निषाद जिला उपाध्यक्ष महेश साहू, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा, शहर मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन, अन्य पिछड़ा वर्ग भाजपा के जिलाध्यक्ष राजू देवांगन, कमलेश वर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बीएलओ जिनको सम्मानित किया गया उसमे मीना ठाकुर, पूर्णिमा वर्मा, गोमती तंबोली, सरिता देवांगन, भाग्यरेखा दुबे, कुसुम साहू, ओजस्वी दुबे, क्षमा साहू उपस्थित रहे। विधायक दीपेश साहू ने बीएलओ बहनों को संबोधित करते हुए कहा–मतदाता सूची राष्ट्र की लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है। समय सीमा से पूर्व शत-प्रतिशत एसआईआर पूरा करना अत्यंत प्रशंसनीय कार्य है। आप सभी बीएलओ ने जिस निष्ठा, लगन और जिम्मेदारी के साथ घर-घर पहुँचकर कार्य किया है, वह हमारे जिले को प्रशासनिक कार्यो का एक आदर्श मॉडल बनाता है। मैं आप सभी के समर्पण को हृदय से नमन करता हूँ। आने वाले समय में भी आप इसी ऊर्जा और ईमानदारी के साथ कार्य करें, यही मेरी शुभकामनाएँ हैं। सभी अतिथियों ने कहा कि बीएलओ द्वारा समयपालन, कड़ी मेहनत और निरंतर सक्रियता के कारण ही बेमेतरा शहर ने यह उपलब्धि हासिल की है। समस्त बीएलओ को हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन।

विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल

बेमेतरा। समाज पर हो रहे लगातार अन्याय अत्याचार एवं शोषण के खिलाफ उचित न्याय हेतू अनुसूचित जाति जनजाति एवं पीड़ित पक्ष के द्वारा बेमेतरा एसडीएम आफिस के सामने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन प्रारंभ किया गया है, इन लोगों की प्रमुख माँगे टार्जन गायकवाड़ ग्राम हरदी लालपुर निर्मम हत्याकांड की सीबीआई जॉच और उचित मुआवजा राशि एवं परिवार को सरकारी नौकरी, ग्राम टिपनी थाना थानखमरिया 18 माह से फरार बलात्कार एवं पास्को एक्ट्के आरोपी को तत्काल गिरफ्तारी, बेमेतरा जिला के अनुसूचित जाति/जनजाति छात्र-छात्राओं को विगत तीन वर्षो रूके छात्रवृत्ति तत्काल प्रदान किया जाए। पीड़ित शामदास सतनामी का ग्राम मोहतरा खाण्डसरा में 5 बार एकपक्षी मकान तोड़ने पर उचित मुवावजा राशि, प्रधानमंत्री आवास पट्टा सहित, स्थाई विधुत कनेक्शन दिया जाएं। पीड़ित खेल राडेकर का ग्राम कुरदा थानखमरिया में एकपक्षीय मकान तोड्ने पर उचित मुआवजा राशि, प्रधानमंत्री आवास पट्टा सहित पीडित विजय लक्ष्मी का ग्राम खापरी गाड़ामोड़ में एकपक्षीय मकान तोड्ने पर उचित मुआवजा राशि, प्रधानमंत्री आवास पटटा सहित, पीड़ित भागबली ध्रुव को ग्राम पचभैया में मानसिक एवं आर्थिक रूप से परेशान करने वाले गैर-आदिवासी व्यक्ति उपर तत्काल पुलिस कार्यवाही, पीड़ित ईश्वर राजा को ग्राम सुकुलपारा नवागढ़ में गौरी गौरा विसर्जन के दौरान असमाजिक तत्वों द्वारा गुण्डा गर्दी एवं जातिगत गाली-गलौच कर मारपीट करने वालो के ऊपर तत्काल पुलिस कार्यवाही हो ग्राम पंचायत अंधियारखोर थाना नवागढ में आम रास्ता रोककर पीएम एवीजी के तहत स्वीकृत आवास निर्माण में तत्काल पुर्ण रोकथाम किया जाए शामिल हैं।

सोसाइटी का पूर्व विधायक छाबड़ा ने किया निरीक्षण

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने बेमेतरा जिले में चल रहे धान खरीदी में शिकायत प्राप्त होने पर बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कठिया एवं किरतपुर सोसाइटी का निरीक्षण किया जहां फैली हुई अवस्था को देखते हुए पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि सरकार को किसानों की चिंता नहीं है भाजपा की यह सरकार केवल पूंजी पतियों की सरकार है इस सरकार को केवल किसानों से वोट चाहिए किसानो की क्या हालत है किसान क्या परेशानी झेल रहे हैं इससे भाजपा सरकार और उनके जन प्रतिनिधियों को कोई लेना-देना नहीं है सोसाइटी में आए हुए किसानों ने पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा से धान खरीदी में प्रति बोरे की मात्रा अलग-अलग होने की शिकायत दर्ज की जिसमें किसानों ने बताया कि कुछ सोसाइटियों में 40 किलो 700 ग्राम तौल किया जा रहा है और कई जगह 40 किलो 200 ग्राम तौल किया जा रहा है ऐसे में प्रति बोर 500 ग्राम का अंतर आ रहा है किसानों को धान खरीदी केन्द्रों में लूटा जा रहा है वहीं जब धान की तौलाई में हमाली चार्ज शासन द्वारा वहन किया जाना है तो सरकारी सोसाइटियों के द्वारा अवैध रूप से हमाली चार्ज काटा जा रहा है जो सरासर किसानों के साथ लूट है। विधायक ने कहा कि वे इस विषय पर जिला कलेक्टर से बात करेंगे आखिर अलग-अलग तौल धान खरीदी केन्द्रों पर क्यों किया जा रहा है सभी जगह एकरूपता क्यों नहीं है साथ ही साथ पूर्व विधायक ने कहा कि किसानों को पिछले तीन धान खरीदी वर्षों में भाजपा की है सरकार 31 सौ रुपए कि दर से ही धान खरीदी कर रही है जबकि इन तीन वर्षो में तीन बार न्यूनतम समर्थन मूल्य की कीमतों में वृद्धि की जा चुकी है ऐसे में सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी का फायदा भी किसानों को देना चाहिए आज भाजपा अपने किए गए वादों से पलट रही है किसानो और आम जनता को भी अब समझ आ चुका है कि भाजपा सरकार की कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर है यह सरकार जुमले की सरकार है धरातल पर आम जनता की समस्याओं से इस सरकार को कोई लेना-देना नहीं है धान खरीदी केंद्र के निरीक्षण के दौरान मंगत साहू जिलाध्यक्ष किसान कांग्रेस बेमेतरा ललित विश्वकर्मा महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा रवि परगनिहा अध्यक्ष प्रतिनिधि जनपद पंचायत बेरला प्रांजल तिवारी जिलाध्यक्ष युवा कांग्रेस बेमेतरा सुमित राजपूत सिद्दीक खान, सत्यनारायण साहू, धनेंद्र साहू, विजय कुर्रे यशवंत साहू, राकेश साहू, श्रवण कुमार, शेख शरीफ कुरैशी, ऋषि साहू, रिंकू बंजारे, कविलाश साहू, लक्ष्मण साहू, खेलावन टंडन, भागवत मार्कण्डेय, रामकिशुन साहू, निलेश राजपूत राजकुमार बंजारे चंदराम, कल्लू साहू, प्रमोद साहू, मनोज साहू, नरेंद्र टंडन, जीतू, बसंत भारद्वाज, संतराम, मंत राम यदु, कमल यदु, रूपलाल निषाद, जयराम साहू, नारायण साहू, लेड़गा राम, पीलू राम, ऋतिक तिवारी वतन मिश्रा जितेंद्र जोशी घनश्याम देवांगन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और किसान उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए किया गया सम्मान समारोह

दल्लीराजहरा। लौह अयस्क समूह राजहरा से नवम्बर माह मे 03 नियमित कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। जिसमें दल्ली यंत्रीकृत खदान मे कार्यरत मास्टर तकनीशियन बाबूराम कादले, तकनीशियन संतराम गोरे एवं ऑपरेटर केशुराम शामिल है, उनके लिए सेवानिवृत्त सम्मान समारोह खदान प्रशासनिक भवन के मुख्य सभागार मे आयोजित किया गया । इस समारोह के मुख्य अतिथि राजहरा यंत्रीकृत खदान के महाप्रबंधक जयप्रकाश थे। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियो ने अपने बीते हुए पल को याद करते उपलब्धियो को बताया। महाप्रबंधक जयप्रकाश ने अपने प्रेरणादायी विचारो से मार्गदर्शन एवं सेवानिवृत्त सभी कर्मचारियों के स्वस्थमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए कहा कि कम्पनी को आगे बढाने में सेवानिवृत्त सभी कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा । इनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य मार्गदर्शन एवं यादगार रहेगा। छत्तीसगढ़ राज्य श्रमिक संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र बेहरा ने अपने उद्बोधन मे कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए एवं सेवानिवृत्ति पश्चात प्राप्त राशि को सही जगह जमा करना चाहिए। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियो के कार्यो का सराहना करते हुए संयुक्त खदान मजदूर संघ के संगठन सचिव राजेश साहू ने कहा कि इनके लगन एवं निष्ठापूर्ण कार्यो से ही कम्पनी प्रगति के पथ पर अग्रसर हुआ है। सीटू यूनियन के कोषाध्यक्ष जे. गुरूवुलू ने सभी कर्मचारियों को सफलतापूर्वक नौकरी पूरा करने पर बधाई देते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति, जीवन की दूसरी पारी का आरंभ है अपनी बचे हुए कार्य को पूरा करने का अवसर है। इंटक यूनियन के सचिव भूपेन्द्र दिल्लीवार, भारतीय मजदूर संघ के सक्रिय सदस्य रजनीश कुमार जरयाल तथा इंटक के अध्यक्ष तिलक मानकर कर्मचारियों के बेहतर भविष्य एवं स्वास्थ्य के लिए मार्गदर्शन करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। मानव संसाधन विभाग के उपप्रबंधक गिरीश कुमार मढरिया ने धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति पश्चात किसी भी प्रकार की सहयोग की जरूरत पडती है तो मानव संसाधन विभाग मदद के लिए सदैव तत्पर रहेगा। कार्यक्रम का सफल संचालन अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी घनश्याम पारकर ने किया। पारकर ने सेवानिवृत्ति पर बेहतरीन कविता के माध्यम माहौल को खुशनुमा बना दिया। इस अवसर पर महाप्रबंधक मयाराम ठाकुर ने भी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान किये। सहायक प्रबंधक

लिंग आधारित हिंसा समाप्ति हेतु किया गया जागरूकता

दल्लीराजहरा। जिला स्तरीय महिला सशक्तिकरण केन्द्र द्वारा लिंग आधारित हिंसा को समाप्ती हेतु 16 दिवसीय सक्रियता अभियान के अंतर्गत चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान वृंदावन संकुल सिवनी, धरा संकुल लाटाबोड़, आशीर्वाद महिला क्लस्टर संगठन कुलिया में महिलाओं और लड़कियों के साथ होने वाले हिंसा एवं भेद-भाव के मुद्दे, महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण और सुरक्षा से संबंधित कानूनों, घरेलु हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005, दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013, सी-बॉक्स के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान किया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सखी वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महतारी वंदन योजना, सक्षम योजना, नोनी सुरक्षा योजना, पॉस्को ऐक्ट, बच्चों के अधिकारों, मानसिक स्वास्थ्य, बाल विवाह, चाइल्ड हेल्प लाइन आदि योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई।

संक्षिप्त समाचार

सास की हत्या करने वाला दामाद गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी के माना थानाक्षेत्र में घरेलू विवाद पर अपनी सास की हत्या कर फरार होने वाले आरोपी दामाद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि 05.11.2025 को थाना माना पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम बरौदा फोकटपारा माना कैम्प निवासी राजबाई बांधे पति उदय राम बांधे उम्र 65 वर्ष का उपचार के दौरान डीकेएस अस्पताल रायपुर में मृत्यु हो गई है। जिस पर थाना माना में मर्ग कायम कर जांच में लिया गया। मर्ग जांच के दौरान मृतिका के परिजनों से पूछताछ में पाया गया कि दिनांक 04.11.25 को शाम लगभग 5.30 बजे मृतिका का दामाद विरेन्द्र कुर्रे के द्वारा किसी बात को लेकर अपनी पुत्री को अपने घर ले जाने के लियें बच्ची का बाल पकड़कर खींचकर ले जा रहा था, उसी दौरान मृतिका राज बाई बांधे ने मना किया तो आरोपी ने गाली गलौच करते हुए जान से मारने की नीयत से मुक्के से तीन-चार बार राज बाई बांधे के दाहिने आंख के पास चेहरे पर वार किया जिससे वह वहीं गिर गई, जिसे उपचार हेतु डी के एस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसकी 5 नवंबर को उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी। वहीं आरोपी दामाद मौके से फरार हो गया। मामले में आरोपी के विरूद्ध थाना माना में धारा 103 बी एन एस का अपराध पंजीबद्ध किया गया तथा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा माना पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा आरोपी की पतासाजी करते हुये उसके छिपने के हर संभावित ठिकानों में लगातार रेड कार्यवाही कर आरोपी विरेन्द्र कुर्रे पिता रम्मू कुर्रे उम्र 30 साल निवासी देवपुरी सतनाम चौक के पास थाना मानाको पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी द्वारा घरेलू विवाद को लेकर अपनी सास की हत्या करना स्वीकार किया। जिसके बाद आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

10 दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

रायपुर। दंतेवाड़ा जिले में छत्तीसगढ़ योग आयोग के तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय जिला स्तरीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम, दंतेवाड़ा सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण के 5वें व 6वें दिवस में श्री दावड़ा विश्वविद्यालय, नया रायपुर (छ.ग.) के योग विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. खोमेश साहू ने 100 प्रतिभागियों को विशिष्ट योगाभ्यास एवं योग का प्रशिक्षण दिया। सुबह के सत्र में उन्होंने सूर्य नमस्कार तथा अन्य योगिक अभ्यास कराते हुए प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया। दोपहर के सत्र में उन्होंने अष्टांग योग पाठ्यक्रम अंतर्गत प्रत्याहार एवं धारणा की अवधारणाओं को सरल शब्दों में समझाया। इसके पश्चात 6वें दिन के व्याख्यान में पंचतत्व विषय पर विस्तारपूर्वक क्लास लेते हुए प्रशिक्षणार्थियों को गहन आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अवगत कराया। कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में छत्तीसगढ़ योग आयोग के प्रदेश अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा, सचिव गौरव देवांगन, परिवीक्षा अधिकारी रविकांत कुंभकार, ब्रांड एंबेसडर एवं योग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति साहू, डॉ. सी. एल. सोनवानी, छबिराम साहू, लच्छूराम निषाद, योगी राम, संजय वस्त्रकार, जगदम्बा पांडा, मदन पदाम आदि का विशेष सहयोग रहा। श्री दावड़ा यूनिवर्सिटी के सीईओ चिन्मय दावड़ा, डायरेक्टर जनरल डॉ. चार्मी दावड़ा, योग पुरोधा तुलसीदास संघानी, रजिस्ट्रार, डॉ. कुमार श्वेताभ, सीओई डॉ. वरुण गजीर, विपिन श्रीवास्तव, प्रो. मनीष वर्मा, प्रो. सुरजीत मंडल, प्रो. मनीषा पांडे आदि ने शुभकामनायें व्यक्त किया हैं।

भारत-दक्षिण आफ्रिका मैच से पहले कार्रवाईः टिकट ब्लैक करते दो युवक गिरफ्तार

रायपुर। भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे मैच से पहले रायपुर पुलिस ने टिकटों की कालाबाजारी पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सिविल लाइन थाना क्षेत्र में 2500 रुपये वाली मैच टिकट को दोगुनी कीमत पर बेचने की कोशिश कर रहे दो युवकों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। उनके पास से कुल 7 टिकटें बरामद की गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, मैच से पहले सभी थानों को टिकट ब्लैकिंग की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में पुलिस को सूचना मिली कि कुछ युवक महंगे दामों पर टिकट बेचने की कोशिश कर रहे हैं। मुखबिर की मदद से पुलिस टीम ने ग्राहक बनकर आरोपियों से संपर्क किया। 5 हजार रुपये में सौदा तय होते ही दोनों युवक टिकट लेकर शंकरनगर स्थित भारत माता चौक पहुंचे, जहां सिविल लाइंस टीम ने उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ऋतिक माखीजा (25 वर्ष) और देवव्रत माखीजा (21 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों फाफाडीह स्थित अमित सेल्स के पास रहते हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी फोन के जरिए ग्राहकों से संपर्क कर टिकटें बेचने की तैयारी में थे। सीएसपी सिविल लाइंस रमाकांत साहू ने बताया कि टिकटों की कालाबाजारी रोकने के लिए कई स्तरों पर निगरानी बढ़ाई गई है और लोगों से भी ऐसे मामलों की तुरंत सूचना देने की अपील की गई है

नाबालिग को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म,आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले की थाना डोंगरगांव पुलिस ने नाबलिक बालिका से अनाचार करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने नाबलिक को बहला फुसला कर शादी का प्रलोभन देकर उसके साथ अनाचार किया था। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सुखदास साहू पिता स्व. बिंझवार साहू, उम्र 65 साल, निवासी ग्राम कुमर्दा, थाना डोंगरगांव, जिला राजनांदगांव (छ.ग.) थाना हाजिर आकर रपोर्ट दर्ज कराया कि, मेरी नतनिन जो दिनांक 10.10.2025 को 10:00 बजे घर से स्कुल जा रही हूं बोलकर निकली है जो आज दिनांक तक घर वापस नही आई है की इसकी नाबालिक लड़की को कोई अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बहला फुसला कर भगाकर ले गया है कि, प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 137(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया। सूचना वरिष्ठ अधिकारी को दिया गया जिस पर श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा, अति पुलिस अधीक्षक महोदय श्री राहुल देव शर्मा व श्रीमान पुलिस अनुविभागीय अधिकारी महोदय डोंगरगांव श्री दिलीप सिसोदिया के दिशा-निर्देश में थाना प्रभारी डोंगरगांव निरीक्षक कृष्णा पाटले द्वारा पर थाना डोंगरगांव की टीम गठीत कर अपराध विवेचना एवं आरोपी पता साजी किया जा रहा था। प्रकरण में विवेचना दौरान दिनांक 24.11.2025 को पीड़िता को दस्तयाब शुमार किया गया।

आदिवासी समाज के उत्थान और कल्याण के लिए छत्तीसगढ़ सरकार प्रतिबद्ध

हर बेटी-बेटा को शिक्षित करना ही समाज को देगा मजबूती-मुख्यमंत्री साय

- सामुदायिक भवन के प्रथम तल का किया लोकार्पण सांस्कृतिक भवन सहित विभिन्न विकास कार्यों की घोषणा
- कंवर समाज के वार्षिक सम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज रायगढ़ के बोईरदादर में आयोजित अखिल भारतीय कंवर समाज के वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने समाज की मांग पर 30 लाख रुपए की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन के प्रथम तल का लोकार्पण किया। समाज के वरिष्ठजनों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कंवर समाज के पुरोधाओं को नमन करते हुए कहा कि समाज का विकास शिक्षा से ही संभव है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल नौकरी ही नहीं, बल्कि विभिन क्षेत्रों में सफ्ल बनने का माध्यम भी है। हर बेटा-बेटी को शिक्षित करना ही समाज को मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासी समाज के उत्थान और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। आदिवासियों एवं क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है जिसका लाभ लोगों को मिल रहा है। उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आव्हान भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने जनजातीय समाज के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भगवान

बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर जनजातीय समुदाय के सम्मान को नई ऊंचाई दी है। उन्होंने बताया कि आदिवासी समाज को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने धरती आबा ग्राम उत्कर्ष और पीएम जनमन कार्यक्रम की शुरूआत की है। यह आदिवासी कल्याण के क्षेत्र में आजादी के बाद सबसे बड़ा अभियान है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं जनजातीय परिवारों को उपलब्ध करायी जा रही है। इन योजनाओं से जनजातीय क्षेत्रों में तेज गति से विकास हो रहा है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ की रजत जयंती समारोह के अवसर पर रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक सह संग्रहालय का लोकार्पण किया है। संग्रहालय में छत्तीसगढ़ के वीर सेनानियों का देश के लिए योगदान जीवंत रूप में प्रदर्शित हो रहा है। यह आने वाली पीढ़ियों को हमारे वीर नायकों के शौर्य और बलिदान से परिचित कराता रहेगा। यह हमारे आदिवासी समाज के लिए भी गौरव की बात है। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूरे होने पर राज्य के विकास-पीडीएस प्रणाली, सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य के व्यापक विस्तार का उल्लेख करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य निर्माण के बाद गांव-गांव तक पहुंच मार्ग और विकास की रोशनी पहुँची है। राज्य में नक्सलवाद विकास में सबसे बड़ी बाधा रहा है, लेकिन सरकार के प्रयासों से यह अंतिम सांस ले रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद खत्म करने का लक्ष्य तय किया है।

प्रदेश में दिव्यांगजनों की हालत बेहद खराब 500 रुपये की पेंशन में कर रहे है गुजारा....

- हाईकोर्ट के निर्देश की जिम्मेदार कर रहे अवमानना, मुख्यमंत्री के निर्देश का भी पालन नहीं

रायपुर। संवाददाता

छग प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर विकास के नये कीर्तिमान गढ़े जा रहे है। वित्तमंत्री ओपी चौधरी के द्वारा प्रस्तुत विजन 2047 को लेकर सरकार द्वारा विकास की गंगा बहाने की पुरजोर कोशिश चारों तरफ हो रही है। जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा प्रदेश सरकार की जनमानस में छवि खराब करने की कोशिश जारी है। प्रदेश में दिव्यांगजनों की हालत बेहद खराब है। दिव्यांगजन सिर्फ 500 रुपये की पेंशन में बहुत मुश्किल से गुजारा कर रहे हैं। दिव्यांगजन संघ के प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुमार टोंडे महासचिव माला पांडेय एवं प्रवक्ता विश्वकर्मा ने आरएनएस प्रतिनिधि को संयुक्त रूप से बताया कि उन्हें छह सूत्रीय मांगों के लिए लगभग साल भर से ज्ञापन प्रदर्शन आदि के माध्यम से सरकार को सूचित कर मांगों की पूर्ति के लिए संघ ने अवगत कराया था इसके बाद वे जिम्मेदार द्वारा दिव्यांगजनों की मांगों को पूर्ण नहीं किया गया। ज्ञात हो कि प्रदेश में इस समय 148 अधिकारी कर्मचारी फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर विभिन्न विभागों में कार्यरत है। पदाधिकारियों के मतानुसार इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग

के सचिव द्वारा सर्कूलर जारी कर प्रभावित अधिकारियों को मेडिकल बोर्ड से जांच कराने के निर्देश दिये गये थे उसकी भी अवहेलना की गई है। छग उच्च न्यायालय द्वारा दिव्यांगजनों की मांग को पूर्ण करने के लिए शासन को प्रस्तुत याचिका में आदेशित किया गया है। उसकी भी अधिकारी अवमानना कर रहे हैं। प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान समस्त मांगों को जायज मानते हुए 15 दिन में मांगों के समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये गये थे जिसकी पालना नहीं हुई है। रायपुर प्रेस क्लब में पांच बार से भी अधिक प्रेस वार्ता लेने से यह प्रमाणित होता है कि अधिकारियों द्वारा प्रदेश की साय सरकार की छबि खराब करने के लिए उक्त मांगों को पूर्ण नहीं किया जा रहा है दिव्यांग संघ द्वारा अविवाहित युवतियों को महतारी वंदन योजना में भी शामिल करने की मांग की है एवं अन्य प्रदेशों की तर्ज पर दिव्यांगों की पेंशन 5 हजार प्रतिमाह करने की मांग की गई है। उक्त मांगे पूर्ण नहीं की गई तो माला पांडेय के अनुसार अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस 3 दिसंबर को सदस्यों द्वारा बहिष्कार किया जाएगा।

धान खरीदी केन्द्रों में हो रही अवैध वसूलीः नेता प्रतिपक्ष दास महंत.....

रायपुर/ संवाददाता

विपक्ष के नेता डॉ चरणदास महंत ने छत्तीसगढ़ में चल रही धान खरीद प्रक्रिया पर चिंता जताई और आरोप लगाया कि किसानों से 'अवैध' श्रम शुल्क वसूला जा रहा है, जिसका भुगतान सरकार को करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि सहकारी समिति के कर्मचारियों और डेटा एंट्री ऑपरेटरों की हड़ताल का समाधान न होने से राज्य भर में खरीद कार्य पटरी से उतर सकता है। मुख्यमंत्री को लिखे एक पत्र में, महंत ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) खरीद केंद्रों पर किसानों से बोरी भरने और मजदूरी के नाम पर कथित तौर पर लिए जा रहे 7.50 रुपये प्रति क्विंटल के शुल्क को तुरंत रोकने

की माँग की।उन्होंने कहा कि किसानों से कहा जा रहा है कि या तो वे भरा हुआ बोरा लेकर आएं या फिर मजदूरों को 3 रुपये प्रति बोरा (40 किलोग्राम) का भुगतान करें, ऐसा न करने पर उनका धान नहीं खरीदा जा रहा है।उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार पहले से ही राज्य की खरीद एजेंसियों को बोरियों में भरने, तौलने, सिलाई, मार्किंग, लोडिंग और स्टैकिंग सहित सभी परिचालन लागतों को पूरा करने के लिए 22.05 रुपये प्रति क्विंटल प्रदान करती है। 9 अक्टूबर, 2025 के एक केंद्रीय परिपत्र का हवाला देते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि 2023-24 और 2024-25 सीजन में 'अवैध वसूली' 220.68 करोड़ रुपये की है और इस प्रथा को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार कार्रवाई करने में विफ्ल रही तो कांग्रेस राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेगी।एक अन्य पत्र में, महंत ने बताया कि 2025-26 का खरीद सत्र 15 नवंबर से शुरू होने वाला है, लेकिन हजारों सहकारी और खरीद कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण 2,058 प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों और 2,739 खरीद केंद्रों के कार्यालय बंद हैं।

बीएलओ के साथ गाली-गलौच कर मारपीट, महिला पर जुर्म दर्ज

रायपुर। राजधानी रायपुर के खम्हारडीह पुलिस ने शक्तिनगर उपरवारा में एसआईआर ड्यूटी में लगी बीएलओ टीम के साथ शासकीय कार्य में बाधा डालते हुएगाली-गलौज व मारपीट करने के आरोप में एक महिला के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग मिली है। वीडियो सोशल मीडिया में भी वायरल है। जिसमें महिला गाली-गलौज व मारपीट करती नजर आ रही है। बीएलओ टीम से मतदाता सूची से संबंधित किसी जानकारी को मांगने के दौरान विवाद हुआ है। बतया जाता है कि बीएलओ वंदना सोनी 29 नवंबर की शाम अपनी सहयोगी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ईश्वरी तिवारी और रामेश्वरी देवांगन के साथ एसआईआर कार्य के लिए रायपुर के शक्तिनगर उपरपारा क्षेत्र पहुंची थी ।

नवा रायपुर में डेढ़ एकड़ के कैंपस में होगा इंटीग्रेटेड खाद्य एवं औषधि परीक्षण प्रयोगशाला का निर्माण

- मुख्य बजट 2025-26 की एक और बड़ी घोषणा पूर्ण, 46.49 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुसार नवा रायपुर में प्रस्तावित इंटीग्रेटेड खाद्य एवं औषधि परीक्षण प्रयोगशाला सह एफ्डीए भवन के निर्माण के लिए राज्य सरकार ने 46 करोड़ 49 लाख 45 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्य बजट 2025-26 के प्रावधान के अनुरूप इस महत्वपूर्ण परियोजना से प्रदेश में खाद्य एवं औषधि परीक्षण क्षमता को नई मजबूती मिलेगी। नवीन इंटीग्रेटेड खाद्य एवं औषधि परीक्षण प्रयोगशाला तथा नवीन एफडी.ए. भवन का रायपुर में स्थापना करने हेतु शासन द्वारा नया रायपुर में 1.5 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है। रायपुर स्थित वर्तमान प्रयोगशाला लगभग 5 हजार वर्ग फीट (भूतल, प्रथम एवं द्वितीय तल) में संचालित है। प्रस्तावित नवीन प्रयोगशाला अत्याधुनिक उपकरणों (ड्रग एवं इनफोर्समेंट) से सुसज्जित होगा तथा 30 हजार वर्ग फीट क्षेत्र में (भूतल, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय तल) में निर्मित होगा। इसके निर्माण से रासायनिक परीक्षणों की जांच क्षमता 500-800 नमूने प्रतिवर्ष से 7000-8000 नमूने प्रतिवर्ष हो जाएंगी। माइक्रोबायोलॉजिकल परीक्षण (इंजेक्शन, आई ड्रॉप आदि) 2000 नमूने प्रतिवर्ष होंगे, मेडिकल डिवाइसेस (हाथ के दस्ताने, कैथेटर आदि) जिनका वर्तमान में परीक्षण नहीं किया जा रहा है उनका भी 500 नमूने प्रतिवर्ष लिए जाएंगे। इसके साथ ही फार्मास्यूटिकल्स नमूनों की जांच 50 से बढ़कर 1000 नमूने प्रतिवर्ष हो जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रयोगशाला राज्य में खाद्य सुरक्षा के ढांचे को और मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि इससे जांच प्रक्रिया अधिक आसान, पारदर्शी और प्रभावी होगी। सरकार जनता को शुद्ध, प्रमाणित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पाद एवं दवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी कहा कि नवा रायपुर में बनने वाली यह आधुनिक प्रयोगशाला राज्य के लिए एक आदर्श प्रयोगशाला के रूप में विकसित होगी और सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राजभवन में मनाया गया 6 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस

राज्यों की विविधताओं को राष्ट्रीय एकता एक सूत्र में पिरोती है-राज्यपाल डेका

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में राजभवन में 6 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्री डेका ने कहा कि राज्यों की विविधताओं को राष्ट्रीय एकता एक सूत्र में पिरोती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अभियान इसी एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त प्रतीक है। राजभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम् में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली, उत्तराखण्ड, लक्षद्वीप, और पुडुचेरी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के स्थापना दिवस के अवसर पर कहा कि भाषाओं, वेशभूषा, खान-पान, कला और परंपराओं में भिन्नता होने के बावजूद हमारी आत्मा एक है। यही विविधता भारत को विश्व में अद्वितीय बनाती है। केन्द्र सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक दूसरे का स्थापना दिवस मनाते है। इसी कड़ी में आज राजभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में इन राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राज्यपाल ने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक ईकाई नहीं है बल्कि हजारों वर्षो की सभ्यता संस्कृति, परंपरा और मूल्यों का जीवंत संगम है। श्री डेका ने विभिन्न राज्यों की विशेषताओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक राज्य प्राचीन विरासत और आधुनिक तकनीक का संगम है। बीते युग में विजय नगर साम्राज्य ने कला और स्थापत्य को ऊंचाई दी, वैसे ही आज बैंगलुरू भारत का आईटी हब बन गया है। कर्नाटक अपने प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृति के साथ-साथ भाषा और साहित्य में समृद्ध है। राज्यपाल ने कहा कि तमिलनाडु भारत की द्रविड़ सभ्यता का केंद्र है। भारत की सबसे प्राचीन भाषाओं में एक तमिल भाषा की यह भूमि, महान मंदिर स्थापत्य, भरतनाट्यम नृत्य, संगीत और समृद्ध साहित्य परंपरा के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

संगम साहित्य और तिरूक्कुरल जैसे ग्रंथों ने भारतीय ज्ञान को समृद्ध किया है। तमिलनाडु देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभाता है। इस राज्य ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कर्नाटक के बाद तमिलनाडु देश का सबसे बड़ा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विकास क्षेत्र है। राज्यपाल ने कहा कि दिल्ली हमारी राजधानी ही नहीं बल्कि देश का दिल भी है। यह वह भूमि है जहां इतिहास ने करवट ली है। यहां की गलियों में भारत का इतिहास सांस लेता है, चाहे वह प्राचीन इन्द्रप्रस्थ की कहानी हो या आधुनिक भारत का स्वतंत्रता संग्राम हो। लाल किला, कुतुब मीनार, संसद भवन, इंडिया गेट- ये केवल इमारतें नहीं बल्कि हमारे राष्ट्र के गौरव के प्रतीक हैं। यहां सांस्कृतिक विविधता हर गली और मोहल्ले में देखने मिलती है। श्री डेका ने कहा कि उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना एक साथ हुई थी। दोनों राज्यों में कई समानताएं है जैसे इन राज्यों में आबादी का बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में रहता है और कृषि उनकी आजीविका का प्रमुख साधन है। उत्तराखंड की हिमालय की चोटियां, नदियां और घने जंगल इसकी पहचान है वहीं छत्तीसगढ़ भी जंगल, नदियां, पहाड़ और प्राकृतिक सम्पदा से भरपूर राज्य है। सतत् विकास और पारिस्थितिक संतुलन के लिए दोनों राज्यों में समान चुनौतियां हैं। राज्यपाल ने कहा कि पुडुचेरी अपने फ्रांसीसी स्थापत्य, आध्यात्मिक वातावरण और सांस्कृतिक समन्वय के लिए प्रसिद्ध है। प्राचीन काल में पुडुचेरी फ्रांस के साथ व्यापार का मुख्य केंद्र था। आज कई पर्यटक यहां के खूबसूरत समुद्र तटों और उस समय की सभ्यता की झलक पाने के लिए आते हैं। हिन्द महासागर में स्थित अनमोल द्वीप समूह लक्षद्वीप अपने नीले पानी, स्वच्छ समुद्र तट और समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है। आज जब पूरा विश्व पर्यावरण संकट की चुनौती से जुझ रहा है, तब लक्षद्वीप की जीवनशैली हमें प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीवन की प्रेरणा देती है। राज्यपाल ने कहा कि इन सभी प्रदेशों की विविधता ही भारत की असली शक्ति है।

संपादकीय

खेल व्यवस्था के जर्जर ढांचे ने हमसे दो खिलाड़ी छीन लिए?

हरियाणा में दो बास्केटबॉल खिलाड़ियों की मौत ने राज्य की खेल नीति, जर्जर ढांचे और विभागीय लापरवाही की सच्चाई उजागर कर दी है । हरियाणा में बास्केटबाल के दो खिलाड़ियों की मौत को भले ही हादसे के तौर पर देखा जाए, लेकिन यह दरअसल राज्य के समूचे तंत्र में खेलों के प्रबंधन से लेकर व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों और वहां की खेल नीति पर एक गंभीर सवाल है। इससे अफसोसनाक और क्या होगा कि बास्केटबाल के ये खिलाड़ी अपनी मेहनत और लगन से देश के लिए कुछ बड़ी उपलब्धि हासिल करना चाहते थे, लेकिन सरकारी अव्यवस्था और लापरवाही की वजह से उनकी जान चली गई।दोनों खिलाड़ियों की मौत पर व्यापक चिंता उभरने के बाद हुई कार्रवाई में कुछ संबंधित कर्मचारियों या अधिकारी को निलंबित किया गया और सरकार ने सभी खेल मैदानों और बास्केटबाल के पोल या खंभों की जांच के आदेश जारी किए। मगर सवाल है कि जो खंभे हादसे की वजह बने, लंबे समय से जर्जर हालत में होने के बावजूद संबंधित सरकारी महकमों ने उनकी अनदेखी क्यों की। इस लिहाज से देखें तो हादसों में दोनों खिलाड़ियों की मौत के वास्तविक जिम्मेदारों की पहचान और उन्हें कठघरे में खड़ा करने की जरूरत है। गौरतलब है कि राज्य के रोहतक और बहादुरगढ़ में अभ्यास करने के क्रम में दो खिलाड़ियों के पेट और सीने पर बास्केटबाल का खंभा गिर गया और उनकी मौत हो गई। जो खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के बूते भविष्य में उपलब्धियां हासिल कर परिवार से लेकर देश के लिए गर्व का जरिया बन सकते थे, सरकारी लापरवाही की वजह से उनकी जान चली गई। खबरों के मुताबिक, दोनों ही जगह बास्केटबाल का खंभा इस जर्जर हालत में था कि उसमें हल्का जोर पड़ते ही टूट कर गिर गया।जाहिर है, खंभे का गिरना एक-दो दिन की लापरवाही का नतीजा नहीं हो सकता। रोहतक के लाखनमाजरा स्थित स्टेडियम में करीब पांच सौ खिलाड़ी अभ्यास करते हैं। वे बीते काफी समय से खेल विभाग के अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री तक से मैदान की गुणवत्ता और उपकरणों को ठीक कराने की मांग कर रहे थे। मगर उनकी मांग पर किसी ने समय पर ध्यान देना जरूरी नहीं समझा।अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि राज्य में कई अन्य जगहों पर भी खेल मैदानों में जरूरी संसाधनों और उपकरणों की दशा ऐसी है कि खिलाड़ी खेलते या अभ्यास करते हुए हर समय एक तरह के जोखिम से गुजरते हैं।

बंटवारे से पहले सिंध की ज्यादातर आबादी हिंदू थी। प्रचलित शब्दों में वहां के लोगों को सिंधी कहा जाता है। सिंध के बंटवारे को यहां के हिंदू समाज ने ना तो व्यवहारिक माना, और ना ही उचित। आज यह पाकिस्तान का तीसरा बड़ा प्रांत है, जिसका क्षेत्रफल एक लाख 40 हजार 914 वर्ग किलोमीटर है। जुलाई 2001 का दूसरा हफ्ता था। राजधानी दिल्ली और आगरा में बड़ी हलचल थी। इस हलचल पर समूचे देश या यूं कहिए कि दक्षिण एशिया की विशेष निगाह थी। वजह थी, पंद्रह जुलाई से शुरू हो रही परवेज मुशर्रफ की भारत यात्रा। करगिल युद्ध के खलनायक तब तक पाकिस्तान का शासक हो चुका था।

एक इतिहास की धारणा को बल, एक भूगोल का इंतजार

(उमेश चतुर्वेदी)

मुशर्रफ तानाशाह राष्ट्रपति बन चुके थे। करगिल का जख्म चूंकि अभी हरा था, लिहाजा मुशर्रफ की यात्रा उत्सुकता, उम्मीद और आशंका के दायरे में थी। जैसा कि ऐसी यात्राओं के दौरान होता है, कूटनीतिक तैयारियां भी खूब होती हैं। परवेज की यात्रा के ठीक पहले अपने चिर-परिचित अंदाज में पाकिस्तान ने कश्मीरी आत्मनिर्णय को लेकर कूटनीतिक दबाव बनाना शुरू कर दिया था। यात्रा के एक या दो दिनों पहले की बात है। दिल्ली में सिंधी समाज ने मुशर्रफ की यात्रा के मद्देनजर एक कार्यक्रम रखा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तत्कालीन उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के सामने पाकिस्तान की उस कोशिश का जिक्र किया गया तो भरे मंच से उन्होंने पाकिस्तान को चेता दिया था, 'अगर पाकिस्तान कश्मीर का सवाल उठाएगा तो भारत जवाबी रूप से सिंध के आत्मनिर्णय का सवाल उठाएगा।'

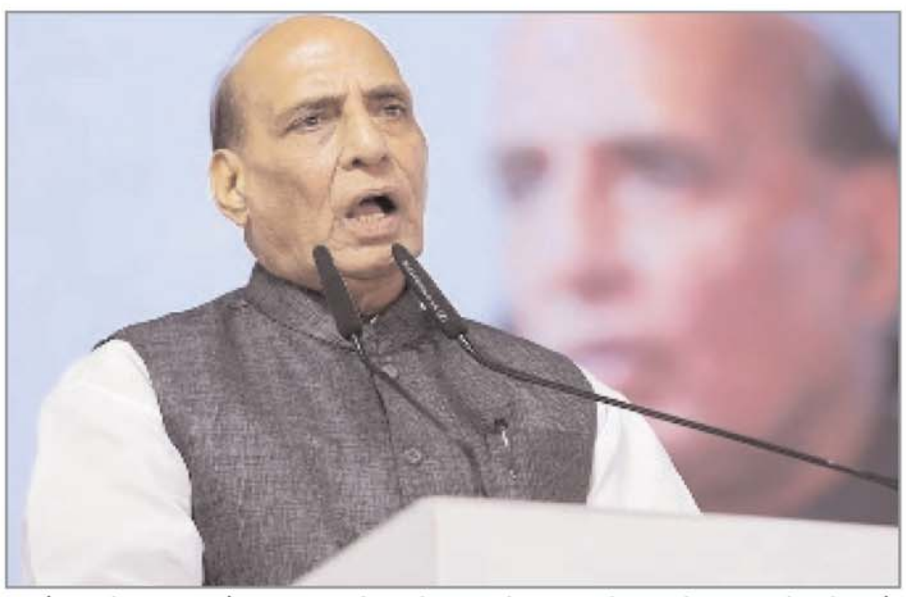

इस वाकये का जिक्र इसलिए हो रहा है कि देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ठीक चौबीस साल बाद सार्वजनिक मंच से कहा है कि भविष्य में सिंध भारत का हिस्सा हो सकता है। भारत की सीमाओं के बदलने की उम्मीद तो देश का एक तबका काफी अरसे से कर रहा है। लेकिन उसका ध्यान सिंध की बजाय बलूचिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर ज्यादा रहा है। सिंध का सवाल अपेक्षाकृत कम चर्चित और कम ध्यातव्य रहा है। लेकिन यह बात चूंकि देश के रक्षा मंत्री ने कही है तो यह मामला गंभीर हो जाता है। हो सकता है कि यह राजनाथ सिंह का निजी विचार हो। लेकिन वे भारत की आधिकारिक शासक मोदी कैबिनेट के दूसरे नंबर के व्यक्ति हैं। इसलिए उनके शब्द कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाते हैं और उन शब्दों का प्रभाव राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पड़ने स्वाभाविक है।

बंटवारे से पहले सिंध की ज्यादातर आबादी हिंदू थी। प्रचलित शब्दों में वहां के लोगों को सिंधी कहा जाता है। सिंध के बंटवारे को यहां के हिंदू समाज ने ना तो व्यवहारिक माना, और ना ही उचित। आज यह पाकिस्तान का तीसरा बड़ा प्रांत है, जिसका क्षेत्रफल एक लाख 40 हजार 914 वर्ग किलोमीटर है। गुजरात के कच्छ का रण और राजस्थान का थार रेगिस्तान इसके पूर्व में स्थित है, जबकि दक्षिण में इसका पांव अरब सागर पखार रहा है। अरब सागर के ही किनारे स्थित कराची पाकिस्तान का आर्थिक केंद्र है, जैसे भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई है।

दुनिया के चाहे जिस भी हिस्से में हिंदू समाज रहता है, अपने धार्मिक और संस्कार वाले कामों, पूजा-अर्चना आदि में सबसे पहले खुद को एक मंत्र से पवित्र करता है और अर्चना में जिस जल का उपयोग करता है, उसे वह एक मंत्र के जरिए पवित्र करता है। वह मंत्र है, गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती, नर्मदे सिंधु कावेरी जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु। जिसका अभिप्राय है कि गंगा, यमुना, गोदावरी, सरस्वती, नर्मदा, सिंधु और कावेरी के जले से यह अर्चन कार्य करता हूं। इस मंत्र से स्पष्ट है कि भारतीय मनीषा और संस्कृति के लिए सदियों से गंगा, यमुना, गोदावरी, सरस्वती , नर्मदा, सिंधु और कावेरी नदियों को पवित्रतम नदियां रही हैं। उनका जल हमारी सभ्यता का वाहक रहा है, उनके जरिए हमारी संस्कृति और सभ्यता का विकास हुआ है। भारत की सप्त पवित्र नदियों में से एक सिंधु इसी सिंध प्रांत से होकर गुजरती है। इस लिहाज से देखें तो भारत भूमि के लिए सिंध का महत्व समझ में आता है। लालकृष्ण आडवाणी भी सिंध के वासी रहे हैं। उन्होंने लिखा है कि उनकी पीढ़ी के सिंध के लोग भारत के विभाजन को स्वीकार नहीं कर पाए। राजनाथ सिंह ने अपने व्याख्यान में इस लेख का भी जिक्र किया है। आडवाणी अपने राजनीतिक उत्कर्ष के दिनों में सिंधु दर्शन यात्रा नाम से आयोजन करते रहे हैं। जिसका मकसद सिंधु के जरिए सिंध की माटी से बिछड़कर भारत आ गए लोगों को जोड़ना और उनकी स्मृतियों को जिंदा रखना रहा।

ब्रिटिश संसद द्वारा पारित कानून के तहत भारत विभाजन की योजना लार्ड माउंटबेटन ने बनाई। उन्होंने इसका जिम्मा कानून के जानकार सिरिल रेडक्लिफ को दिया। रेडक्लिफ को भूगोल और संस्कृति की जानकारी नहीं थी। विभाजन करते वक्त उन्होंने भारतीय वास्तविकताओं का ध्यान नहीं रखा। संस्कृतियों की भी समझ नहीं थी। इसका असर विभाजन पर भी दिखा। रेडक्लिफ रेखा एक तरह से उनकी मूर्खताओं का प्रतीक बन गई। उनकी संस्कृतिहीन सोच की वजह से भारत को विभाजन के वक्त भयानक विभीषिका को झेलना पड़ा। कई जगह पर विभाजन अगर कृत्रिम लगता है तो उसकी वजह रेडक्लिफ की संस्कृति, भूगोल और जमीनी हालात की नासमझी है।

इसी वजह से सिंध से भी भारत में विलय के लिए क्षीण ही सही, आवाजें उठती रहीं है। भारत से पाकिस्तान गए मुसलमानों को भी सम्मान नहीं मिला. उन्हें बिहारी और मुहाजिर कहा जाता रहा। एक दौर में सिंध में मुहाजिर कौमी मूवमेंट चलता रहा, जिसके प्रमुख अल्ताफ हुसैन रहे। हालांकि उनके आंदोलन का मकसद पाकिस्तान में भारत से गए उर्दू भाषी मुसलमानों के अधिकारो की रक्षा रहा। लेकिन पाकिस्तान सरकार उसे भारत समर्थक और विभाजनकारी मानती रही।

बाल्टिस्तान, बलूचिस्तान और पाकिस्तान के अधिकार वाले कश्मीर से तो भारत के साथ जुड़ने की मांग उठती रही है। हाल के दिनों में इस मांग ने तेजी पकड़ी है। वहां से आने वाले वीडियो में 'मोदी-मोदी ' के नारे भी सुनाई देने लगे हैं। हालांकि सिंध प्रांत से ऐसी आवाजें कम उठती रहीं। यहां याद रखना चाहिए कि पाकिस्तान के एक प्रमुख राजनीतिक दल 'पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी' का सबसे ज्यादा असर सिंध प्रांत में ही है। जिसकी प्रमुख एक दौर में बेनजीर भुट्टो रही हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी भुट्टो परिवार की जागीर मानी जाती है।

इन संदर्भों में देखें तो राजनाथ सिंह के बयान इस तथ्य की ओर इशारा करता है कि सिंध में विभाजन को लेकर मांग बढ़ रही है। पाकिस्तान की बदहाली, उर्दू भाषी मुसलमानों के साथ दोयम दर्जे के व्यवहार की वजह से सिंध प्रांत में रह से मुहाजिर लोगों में भी भारत के प्रति अनुराग बढ़ रहा है। बेशक भारत से सीधी जुड़ी रही पीढ़ी अब नहीं रही, लेकिन उसने अपना दर्द, अपने सुहाने सपने और गौरवशाली अतीत को नई पीढ़ी के साथ साझा किया है। नई पीढ़ी के पास सूचना तकनीक है, सूचना के तमाम साधन है। इसलिए वह देख पा रही है कि सीमा के उस पार की हालत कैसी है। उसके लिए भारत का नजारा दर्द और क्षोभ का कारण बन जाता है। क्योंकि आजादी के पहले संयुक्त भारत में सिंध की गिनती समृद्ध राज्यों में होती थी। सिंध कभी हिंदू बहुल राज्य था। कराची शहर हिंदू प्रधान था। पाकिस्तान की जनसंख्या में सिर्फ 2.17 फीसद हिंदू हैं। जो करीब 52 लाख हैं। इनमें से करीब 49 लाख सिंध में ही रहते हैं। 2023 की जनगणना से अनुसार सिंध की आबादी करीब 5.57 करोड़ है। इस लिहाज से देखें तो यहां की आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी करीब 8.8 प्रतिशत है। ग्रामीण आबादी में करीब 13.3 प्रतिशत हिंदू हैं. ये लोग ज्यादातर सिंध के थारपारकर और उमरकोट जिले में रहते हैं। विभाजन से पहले सिंध के कई जिलों में हिंदुओं की आबादी करीब 90 फीसद थी। 1941 की जनगणना के अनुसार, कराची में ही हिंदुओं की बड़ी संख्या में हिंदू आबादी थी। इसके अलावा शिकारपुर, खैरपुर, लरकाना, सुक्कुर में भारी संख्या में हिंदू रहते थे। आज भी उमरकोट जिले में मुस्लिम समुदाय की तुलना में हिंदुओं की संख्या ज्यादा है। इसकी दूरी भारतीय सीमा से सिर्फ 60 किलोमीटर है। कह सकते हैं कि राजनाथ सिंह के बयान ने वहां के हिंदू समुदाय के लोगों की उम्मीदें जगा दी होंगी। उन्हें लगता होगा कि एक न दिन वे भारत का उसी तरह हिस्सा होंगे, जैसे उनके पुरखे विभाजन के पहले थे। इस बयान ने एक अतीत और इतिहास की धारणा को जिंदा तो कर दिया है, एक भूगोल की उम्मीदें भी जगा दी हैं। एक भूगोल कब हकीकत बन पाएगा, यह कहना फिलहाल मुश्किल है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अपना वक्त किसे दे रहे हैं आप

(अक्षय शुक्ला)

वीकेंड पर रूटीन वॉक के दौरान कई लोग छोटे बच्चों के साथ टहलते दिखाई देते हैं। इनमें से अधिकांश अपने मोबाइल फोन में ही बिज़ी रहते हैं, साथ चल रहा बच्चा अकेला बोर होता रहता है। बीच-बीच में वह उनका ध्यान खींचने की कोशिश करता है, पर जब कोई जवाब नहीं मिलता तो फिर चुपचाप चलने लगता है।

समझ नहीं आता कि ऐसी भी क्या ज़रूरी बात जो उस वक्त ही करनी है। जब बच्चे के साथ हैं तो फिर पूरा समय उसे ही दें। फोन पर बात तो बाद में भी हो सकती है। अगर वह कॉल इतना ही ज़रूरी था तो खत्म होने के बाद बाहर निकलते।

मोबाइल को तो वैसे भी आप दिन का मैक्सिमम टाइम दे रहे हैं। अपने लाड़लों के साथ जो थोड़ा बहुत वक्त मिलता है तो क्यों न उन्हीं के साथ भरपूर जीएं। अपना बचपन फिर से जीने का इससे अच्छा मौका नहीं होता। उनके साथ खेलिए, कहानियां सुनाइए, अच्छी आदतें सिखाइए। इस कच्ची उम्र में उनमें सीखने-समझने की अद्भुत क्षमता होती है। यहीं से उनकी आगे की दिशा तय होती है। ये वक्त दोबारा नहीं आएगा।

वरना होगा यह कि आपको देख वह भी खेलना भूल फोन की ज़िद करेगा। जब उसे लगेगा कि सारे बड़े इसी में लगे रहते हैं तो ज़रूर इसमें कुछ अच्छा ही होगा। जब लत लग जाएगी तब आप ही परेशान होंगे। कितने बच्चे बिना मोबाइल देखे खाने का एक निवाला तक मुंह में नहीं लेते। उनकी आउटडोर एक्टिविटी वैसे ही कम होती जा रही है।

मुझे याद है कि हमारा पूरा वीकेंड बेटी के नाम होता था। उसके साथ हम भी बच्चे बन जाते, खूब गेम खेलते, उसकी पसंद का कार्टून देखते और अक्सर कहीं ऐसी जगह घूमने निकल जाते, जहां उसे कुछ नया अनुभव मिले।

लेकिन आजकल अपने आसपास ऐसे कई लोग देखता हूं, जिनकी यह सोच हो गई है कि बच्चे के कारण मैं अपनी मर्ज़ी मुताबिक जीना क्यों छोड़ूं। वे अपने ट्वेंटीज़ से बाहर ही नहीं निकलना चाहते। उन्हें पहले जैसी ही नाइट लाइफ चाहिए, मूवी जाना है, पार्टी करनी है। ऐसे कई कपल पब में अपने छोटे बच्चों को ले आते हैं, जहां का शोर और माहौल उनके लायक है ही नहीं।

उन्हें यह समझना होगा कि ज़िंदगी हर पल एक समान नहीं रहती। किताब के अध्याय की तरह यह भी चैप्टर वाइज़ आती है। लाइफ का जब जो फेज़ चल रहा हो, उसे उसी हिसाब से जीना सीखना होगा। हमारे धर्म ग्रंथों में भी जीवन के चार चरण ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास के ज़रिए बताया गया है कि हर दौर की एक उम्र और उद्देश्य होता है। जब गृहस्थाश्रम में प्रवेश कर ही लिया है तो जीवन के उस अध्याय का सुख लें। देखिए, समय बीतते देर नहीं लगती, कल यह सोचकर पछताने से कुछ नहीं होगा कि बच्चा कब बड़ा हो गया, पता ही नहीं चला, हम तो उसके साथ वक्त ही नहीं बिता पाए। आगे जाकर एक वक्त ऐसा आता है कि हम उनसे बात करने के लिए तरसते हैं और उनके पास समय नहीं होता। इसलिए, अगली बार बच्चे के साथ टहलते वक्त फोन की घंटी बजे तो उठाने से पहले यह ज़रूर सोचिएगा कि अपना समय किसे देना है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

वंदे मातरम, जय हिंद नारों को लेकर राज्यसभा सचिवालय ने जो कहा वो ठीक है या विपक्ष के आरोप सही हैं?

(नीरज कुमार दुबे)

वंदे मातरम को लेकर विवाद के बीच, विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि यह दिशानिर्देश नया नहीं है बल्कि संसद की पुरानी परंपरा का हिस्सा है। 1948 में संविधान सभा के अध्यक्ष ने सदन में किसी भी प्रकार के नारे– 'थैंक यू', 'जय हिंद', 'वंदे मातरम', को अनुपयुक्त बताया था।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर देशभर में जारी कार्यक्रमों की श्रृंखला के बीच ही राष्ट्रीय गीत को लेकर एक नई राजनीतिक बहस छिड़ गई है। दरअसल, राज्यसभा सचिवालय द्वारा जारी एक प्रोटोकॉल नोट को विपक्षी दलों ने ''वंदे मातरम विरोध'' की कोशिश बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। यह विवाद उस समय उभरा जब एक संसदीय बुलेटिन में सांसदों को यह याद दिलाया गया कि सदन के भीतर किसी भी प्रकार के नारे– चाहे 'जय हिंद', 'वंदे मातरम' हो या अन्य, लगाना संसदीय शिष्टाचार के विरुद्ध है। विपक्ष ने इसे आधार बनाकर केंद्र सरकार पर राष्ट्रगीत और देशभक्ति के नारों पर रोक लगाने का आरोप लगाया। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि ''आखिर 'वंदे मातरम' और 'जय हिंद' जैसे नारे लगाने में आपत्ति किस बात की है? ब्रिटिश शासन को तो इन नारों से समस्या थी, क्या अब भाजपा को भी वही समस्या हो गई है?'' उन्होंने कहा कि वंदे मातरम को ब्रिटिश शासन ने कई बार प्रतिबंधित किया था और इसे गाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को गिरफ्तार तक किया गया था।

इस बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस विवाद में कूदते हुए चिंता जताई कि संसद में ''जय हिंद'' और ''वंदे मातरम'' पर कथित रोक क्या बंगाल की पहचान को कमजोर करने का प्रयास है। उन्होंने कहा, वंदे मातरम हमारा राष्ट्रगीत है, इसे कैसे भुलाया जा सकता है?''

दूसरी ओर, विवाद के बीच, विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि यह दिशानिर्देश नया नहीं है बल्कि संसद की पुरानी परंपरा का हिस्सा है। 1948 में संविधान सभा के अध्यक्ष ने सदन में किसी भी प्रकार के नारे– 'थैंक यू', 'जय हिंद', 'वंदे मातरम', को अनुपयुक्त बताया था। 1962 में लोकसभा में भी यही परंपरा दोहराई गई, जब स्पीकर ने नारेबाज़ी को ''जनसभा जैसा व्यवहार'' करार दिया था। ये नियम दशकों से प्रचलित हैं और हर सत्र से पहले जारी होने वाले बुलेटिन में इनका उल्लेख किया जाता रहा है।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच यह तथ्य भी स्पष्ट है कि बुलेटिन किसी भी सरकार के निर्देश पर नहीं बल्कि सदन के सभापति या अध्यक्ष की परंपरागत अधिकारिता के तहत जारी किया जाता है और इसका उद्देश्य केवल संसदीय मर्यादा बनाए रखना है।

देखा जाये तो राज्यसभा सचिवालय के एक नियमित नोट को लेकर जिस प्रकार विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और ममता बनर्जी, ने केंद्र सरकार पर ''वंदे मातरम विरोध'' का आरोप लगाया है, वह तथ्यहीनता और राजनीतिक अवसरवाद का उदाहरण है। संसदीय परंपराएँ किसी दल की ''मर्जी'' से नहीं, दशकों की संवैधानिक प्रक्रिया से बनती हैं। 1948 से लेकर आज तक सदन के भीतर नारे लगाने पर रोक सिर्फ इसलिए है कि संसद जनसभा नहीं; यहाँ तर्क, विमर्श और गरिमा की अपेक्षा होती है। यह परंपरा तब भी लागू थी जब कांग्रेस सत्ता में थी; आज भी लागू है।

फिर भी कांग्रेस का आक्रोश समझ से परे है। यह वही पार्टी है जिसने 1930-40 के दशक में वंदे मातरम को अपने भीतर ही विवाद का केंद्र बना दिया था और अंततः 1935 में इसे ''छाँट'' कर अपनाया, ताकि वह कुछ विशेष तबकों को नाराज़ न कर दे। आज वही कांग्रेस इस गीत को लेकर ''आहत भाव'' का दावा करते हुए दिखाई दे रही है।

ममता बनर्जी का रुख भी कोई नया संदेश नहीं देता। वे वर्षों से राष्ट्रीय प्रतीकों और नारों से सावधानी बरतती रही हैं, यह सोचकर कि कहीं उनका राजनीतिक आधार इससे प्रभावित न हो जाए। किंतु जब पुरानी संसदीय परंपरा पर आधारित एक बुलेटिन सामने आता है, तो अचानक उन्हें ''बंगाल की पहचान'' की चिंता सताने लगती है। यह चिंता वास्तविक से अधिक राजनीतिक प्रतीत होती है।

यहाँ मूल प्रश्न यह नहीं है कि कौन ''वंदे मातरम'' के पक्ष में है और कौन नहीं, वंदे मातरम भारत का राष्ट्रगीत है और समस्त राष्ट्र इसका सम्मान करता है। असली प्रश्न है कि क्या राष्ट्रीय भावनाओं का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए किया जाना चाहिए? देखा जाये तो राजनीति में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन राष्ट्रीय प्रतीकों पर झूठा विवाद खड़ा करना लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करता है। संसद की परंपराओं पर उंगली उठाने से पहले विपक्ष को अपने ऐतिहासिक रुख पर भी नजर डालनी चाहिए। वंदे मातरम का 150वाँ वर्ष हमें यह याद दिलाता है कि यह गीत विभाजन नहीं, संघर्ष, समर्पण और एकता का प्रतीक है। राजनीतिक आरोपों की धूल हटाकर देखें तो यही संदेश सबसे साफ दिखाई देता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ग्राम देव खरगांव में पुनर्वास केन्द्र का हुआ शुभारंभ

कौशल प्रशिक्षण से पुनर्वसित व्यक्ति बनेंगे हुनरमंद

कोण्डागांव। शासन की पुनर्वास नीति पुना मार्गेमरू पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल के तहत जिले के पुनर्वासित व्यक्तियों को मुख्यधारा से जोड़ने, उन्हें कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से हुनरमंद बनाकर जीविकोपार्जन हेतु सक्षम बनाने के उद्देश्य से सोमवार को कोंडागांव के ग्राम देवखरगांव में पुनर्वास केंद्र की शुरूआत हुई। जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी, जनपद पंचायत अध्यक्ष अनीता कोर्राम, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल और उपाध्यक्ष जसकेतू उसेण्डी, जिला पंचायत सदस्य नंदलाल राठौर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा की उपस्थिति में पुनर्वास केन्द्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद अध्यक्ष कोर्राम ने कहा कि शासन की पुनर्वास नीति और शासकीय योजनाओं का लाभ उठाएं और अच्छे से जीवनयापन करें। नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल ने कहा कि शासन की मंशानुरूप सही रास्ता चुनकर मुख्यधारा में जुड़ने के लिए आए हैं। रूचि अनुसार प्रशिक्षण प्राप्त करें और शासन की योजनाओं का लाभ उठाकर रोजगार शुरू करें। उपाध्यक्ष जस केतु उसेण्डी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आज पुनर्वास केन्द्र का शुभारंभ हुआ है। शासन की मंशा है कि योजनाओं और नीतियों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने कहा कि शासन की पुनर्वास नीति के तहत यह शुभारंभ की गई है, जिससे कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर ऐसे हुनर या कला के साथ यहां से जाएं, जिससे वे अपने परिवार के जीविकोपार्जन में सक्षम बन सकें। उन्होंने कहा कि यहां संगीत और खेलकुद सहित मनोरंजन के लिए विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित की जाएगी। निर्धारित प्रशिक्षण के अलावा अन्य क्षेत्र में रूचि हो तो अवगत कराएं, जिससे रूचि के अनुसार प्रशिक्षण दिया जा सके। पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा ने कहा कि पुनामार्गेम, पुनर्वास से पुनजीर्वन शासन की महत्वपूर्ण पहल है, जिसे जो व्यक्ति भटकाव के राह पर थे, वे पुनः विकास के रास्ते पर आ रहे हैं। यह शासन की पुनर्वास नीति से संभव हुआ है। यहां उन्हें निःशुल्क आवासीय एवं भोजन की सुविधा के साथ कौशल प्रशिक्षण देकर हुनरमंद बनाया जाएगा। पुनर्वास केंद्र में लाइब्रेरी की भी व्यवस्था है, जहां जो साक्षर नहीं है उन्हें उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत साक्षर किया जाएगा।

मूल निवासियों को रोजगार पहले देने की मांग को लेकर शिवसेना ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ शिवसेना शिंदे गुट के द्वारा कोंडागांव जिले में संभाग अध्यक्ष राज गावड़े के नेतृत में बस्तर संभाग में स्थानीय लोगों को मूल निवासियों को रोजगार पहले देने की मांग को लेकर के शिवसेना के द्वारा मुख्यमंत्री विष्णु देव शाय के नाम एसडीएम के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया जिसमें यह मांग की गई है कि पूरे बस्तर संभाग में कई औद्योगिक कार्य फैक्ट्री एवं उद्योग लगाए जा रहे हैं जिसमें यह देखा जा रहा है कि बस्तर के लोकल आम आदमी मूल निवासी बेरोजगार भटक रहे हैं जो लोग हमारे बस्तर के मूल निवासी हैं वे लोग बाहर काम करने जाने के लिए मजबूर हो गए हैं जैसे कि बस्तर में कई उद्योग है कई फैक्ट्रियां हैं कई प्लांट लगे हुए हैं और बस्तर संभाग में कई खनिज पाए जाते हैं जिसमें आज के डेट में गवर्नमेंट द्वारा बाहरी लोगों को ठेका देकर के कार्य करवाया जा रहा है जिसमें हमारे लोकल आदमी मूल निवासी एक आदिवासी भाई मजदूर नहीं है हमारी मांग यह है सरकार से कि हमारे लोकल लोगों को रोजगार दिया जाए रोजगार में प्राथमिकता दिया जाए इन सब मांगों को लेकर के शिवसेना द्वारा आज मुख्यमंत्री विष्णु देव सहाय के नाम एसडीएम के माध्यम से ज्ञापन सोपा गया है।

कोंडागांव में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन, प्रधानमंत्री का पुतला दहन

कोण्डागांव। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी एवं राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी के खिलाफ ईडी द्वारा एफआईआर दर्ज किए जाने के विरोध में कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। सोमवार शाम 4 बजे जिला कांग्रेस कमेटी कोंडागांव के नेतृत्व में स्थानीय बस स्टैंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया गया। कांग्रेसजनों का आरोप था कि भाजपा सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है और ईडी जैसी एजेंसियों का राजनीतिक उद्देश्य से इस्तेमाल किया जा रहा है। विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। पुतला दहन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाज़ी करते हुए लोकतंत्र बचाने का संकल्प लिया। कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि जब तक केंद्र सरकार विपक्ष के नेताओं पर हो रही कार्रवाई वापस नहीं लेती, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

13 वर्ष पहले हुई गुम बालिका को केशकाल पुलिस ने किया दस्तयाब

कोंडागांव। जिला कोण्डागाँव पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है, थाना केशकाल के गुम इंसान क्र. 06/2012 (अप.क्र. 72/2013 धारा 363, 366 भादवि) की गुम बालिका को दस्तयाब कर लिया है। पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के दिशा निर्देश व अति.पु.अधी. कौशलेंद्र देव पटेल के मार्गदर्शन में पूरे जिले में गुम बालिका की पता तलाश हेतु हर सम्भव प्रयास किए जा रहे हैं इसी तारतम्य में वर्ष 2012 में हुई गुम बालिका को केशकाल पुलिस द्वारा दस्तयाब कर लिया गया है।

एसआईआर ने बूढ़े मां-बाप को लौटाई खुशियां, 13 साल बाद घर वापस लौटी बेटी

केशकाल। समूचे छत्तीसगढ़ में इन दिनों स्ढ्ढक्र (विशेष गहन पुनरीक्षण) की प्रक्रिया चल रही है। जिसको लेकर के प्रशासन युद्ध स्तर पर काम कर रहा है। ऐसे में प्रदेश के अलग-अलग इलाकों से नई नई कहानियां भी निकाल कर सामने आ रही हैं। ऐसी ही एक रोचक कहानी केशकाल से सामने आई है। जहां वर्ष 2012 में एक नाबालिग बच्ची पारिवारिक परेशानियों के चलते तनाव में आकर घर छोड़कर रायपुर चली गई थी। घर वालो ने वर्षों तक पता तलाश करने के बाद उसके मिलने की पूरी उम्मीद छोड़ दी थी। लेकिन अब जो स्ढ्ढक्र के लिए दस्तावेजों की आवश्यकता पड़ी तो उनकी बेटी सुनीता यादव लगभग 13 साल बाद वापस अपने घर लौटी है।

रायपुर में रहकर ही जीवन यापन कर रही थी सुनीता- इस बारे में सुनीता से हुई बातचीत में उन्होंने बताया कि पिताजी के द्वारा आए दिन शराब पीने और मारपीट करने से परेशान होकर मैं वर्ष 2012 में घर छोड़कर चली गई थी। मैं रायपुर में ही एक दादी अम्मा के घर मे रहकर अपना जीवन यापन कर रही थी। उन्होंने कहा था कि जब तू बालिग हो जाएगी तब मैं तेरी शादी भी करवाउंगी। लेकिन 2019 में उनका देहांत हो गया। इस दौरान कई बार मुझे लौट कर वापस घर आने का मन तो किया लेकिन पिताजी के डर के कारण वापस घर लौटने की हिम्मत नहीं हुई।

एसआईआर नहीं होता तो शायद घरवालों से कभी नहीं मिल पाती

सुनीता ने बताया, एसआईआर के लिए जब बीएलओ ने मुझसे दस्तावेज मांगे तो उसमें माता-पिता का परिचय पत्र मतदाता सूची में नाम एवं अन्य दस्तावेजों की आवश्यकता पड़ी। लेकिन मेरे पास कोई दस्तावेज नहीं थे इसलिए मैं रायपुर से केशकाल आई हूं। इतने सालों के बाद माता-पिता से मिलकर मुझे काफी खुशी हुई और वह भी मुझे देखकर काफी खुश नजर आए। अगर ऐसा आर के लिए दस्तावेजों की आवश्यकता नहीं पड़ती तो शायद मैं वापस केशकाल कभी नहीं आती। लेकिन अब जो की घरवालों से मेरा संपर्क हो गया है और घर की स्थिति भी सामान्य है। ऐसे में अब मैं समय-समय पर अपनी माता-पिता से मिलने केशकाल आया करूंगी।

गुमशुदगी के रिपोर्ट की जानकारी मिली तो स्वयं थाना भी पहुंची

केशकाल टीआई ज्ञानेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि वर्ष 2012 में एक नाबालिग बच्ची के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। उसकी लगातार पता तलाश भी की जा रही थी। अब 13 वर्ष बाद गुम बालिका सविता यादव स्वयं केशकाल पहुंची थी, जब उसे घरवालों से पता चला कि थाने में उसके गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज है। तो वह स्वयं थाना भी पहुंची। फिलहाल उसका विस्तृत कथन लिया जा रहा है, ततपश्चात आगामी वैधानिक कार्यवाही की जाएगी

राष्ट्र सेवा के 23 वर्ष पूर्ण हवलदार श्रीकांत तिवारी का भव्य स्वागत, आतिशबाजी व जुलूस के साथ हुआ अभिनंदन

पायनियर संवाददाता ◄ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

भारतीय थल सेना की आर्मी एयर डिफेंस में 23 वर्षों तक निस्वार्थ राष्ट्र सेवा करने के उपरांत सेवानिवृत्त हुए हवलदार श्रीकांत तिवारी का आज सोमवार को कोंडागांव में जोरदार स्वागत किया गया। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद्, जिला कोंडागांव द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, स्थानीय नागरिक और गणमान्य लोग मौजूद रहे। हवलदार श्रीकांत तिवारी ने 23 वर्षों तक देश की सीमाओं और आकाश सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 'सेवादृसाहसदृसम्मान' के मूल मंत्र को चरितार्थ करते हुए उन्होंने 'राष्ट्र प्रथम सदैव एवं सर्वदा' के आदर्श को अपने कार्यकाल में सर्वोपरि रखा। फूल-मालाओं, नारों और जुलूस के साथ हुआ स्वागत सेवानिवृत्ति के बाद गृह नगर लौटने पर श्रीकांत तिवारी का रायपुर नाका से आलबेड़ा पारा तक भव्य जुलूस निकाला गया। रास्ते भर पूर्व सैनिकों और युवाओं ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। गांधी चौक में आतिशबाजी के साथ उनका अभिनंदन किया गया, जिससे माहौल देशभक्ति के रंग में रंग गया। परिवार ने की आरती, परिषद ने दिया सम्मान घर पहुंचने पर उनकी पत्नी, बच्चे और परिजनों ने पारंपरिक रीति से आरती उतारकर स्वागत किया। परिषद के पदाधिकारियों ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके साहस और समर्पण को सलाम किया। परिषद के सदस्यों ने कहा कि श्रीकांत तिवारी कोंडागांव के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं और उनकी सेवा पर क्षेत्र को गर्व है।

मजदूर हित में श्रमिक संघ एसकेएमएस किरन्दुल ने 6 सूत्रीय मांग पत्र एनएमडीसी सीएमडी को सौंपा

किरंदुल। नवरत्न कंपनी एनएमडीसी के सीएमडी अमिताभ मुखर्जी के दो दिवसीय दौरे में किरंदुल परियोजना में आगमन हुआ इस अवसर पर किरंदुल परियोजना के श्रमिक संघ एसकेएमएस के सचिव राजेश सन्धु के नेतृत्व में सोमवार एक प्रतिनिधिमंडल सीएमडी अमिताभ मुखर्जी ने सौजन्य भेंट कर मजदूर हित मे 6 सूत्रीय मांग पत्र सौपा।जिसमें कर्मचारियों का 2022 से लंबित वेतन समझौता को तत्काल लागू किया जाए, वेस्ट माइनिंग के अतिरिक्त भार को लेकर श्रम संघ सदैव गंभीर रहा है लेकिन जिस तरह से प्रबंधन द्वारा श्रम संघ से बिना किसी समुचित चर्चा के बेस्ट मीनिंग का कार्य संपादित कराया जा रहा है उसे हमारे सौहार्दपूर्ण वातावरण धूमिल हुए हैं।अतः श्रम संघ के साथ समझौता की उपरांत बेस्ट मीनिंग का कार्य संपन्न कराया जाए, ठेका श्रमिकों के कल्याणकारी उपाय एवं अन्य लाभ संबंधी द्विपक्षी समझौता 5 वर्ष के लिए किया गया था जो अप्रैल 2024 को समाप्त हो गया है फरवरी 2025 में ठेका श्रमिकों से संबंधित मुद्दों पर प्रबंधक को अवगत कराया गया था उसके बाद भी आज दिनांक तक किसी प्रकार की प्रबंधन द्वारा सकारात्मक पहल नहीं की गई जिसके कारण ठेका श्रमिकों में निराशा व्याप्त है अतः इसे गंभीरता से ध्यान में रखते हुए शीघ्र दृपक्षी बैठक बुलाई जाए और श्रमिकों के संबंधित मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाए एनएमडीसी में फील्ड अटेंडेंट एवं मेंटेनेंस असिस्टेंट की भर्ती प्रक्रिया को इतिहास शीघ्र पूर्ण किया जाए ताकि उत्पादन के लक्ष्य को पूर्ण किया जा सके एलओपी संबंधी बैठक शीघ्र बुलाई जाए ताकि प्रबंधन एवं श्रम संघ के मध्य बैठक करते हुए कंपनी एवं कर्मचारियों के हितों में यथोचित नियम बनाया जा सके हैदराबाद विशाखपट्नम की तरह रायपुर के लिए भी बस सेवा उपलब्ध कराई जाए ताकि चिकित्सा एवं बच्चों की पढ़ाई के लिए सुविधा मिल सके। इन सब मुद्दों को लेकर एनएमडीसी सीएमडी अमिताभ मुखर्जी से श्रमिक संघ एसकेएमएस की सकारात्मक चर्चा हुई जिस पर सीएमडी अमिताभ मुखर्जी द्वारा आश्वासन दिया गया की वेतन समझौता जल्द से जल्द पूर्ण कर लिया जाएगा। हैदराबाद विशाखपट्नम की तरह रायपुर के लिए बस सेवा तत्काल चालू किया जाएगा जो कि प्रतिदिन बैलाडीला से रायपुर व रायपुर से बैलाडीला के लिए चलेगी। किरंदुल परियोजना में रिक्त पद फील्ड अटेंडेंट एवं मेंटेनेंस अटैक असिस्टेंट की भर्ती प्रक्रिया यथाशीघ्र पूर्ण करने की प्रक्रिया की जाएगी।

छात्राओं ने दिया एड्स पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता का संदेश

कोण्डागांव। शासकीय आदर्श आवासीय कन्या महाविद्यालय कोंडागांव में 1 दिसंबर दिन सोमवार को रेड क्रॉस सोसायटी, प्राणीशास्त्र विभाग एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस का आयोजन रेड क्रॉस प्रभारी शारदा मरकाम द्वारा एवं महाविद्यालय के प्राचार्य तिलक चंद्र देवांगन के दिशानिर्देश में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित एवं राजकीय गीत का गायन कर किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य तिलक चंद्र देवांगन द्वारा एड्स के संक्रमण एवं रोकथाम की जानकारी दी साथ ही उन्होंने बताया कि एड्स के प्रति जागरूकता ही बचाव का उपाय है। शारदा मरकाम ने बताया कि एड्स दिवस न केवल बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए है बल्कि उन लाखों लोगों के प्रति संवेदनशीलता एवं सम्मान व्यक्त करने का है जो HIV/AIDS के साथ अपना जीवन जी रहे हैं। HIV/AIDS की विस्तृत जानकारी के साथ ART (Antiretroviral Therapy) के लाभ की भी जानकारी दी । इस दौरान Awareness,Prevention & Compassion विषय पर भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कलेक्टर व एसपी ने राष्ट्रीय राजमार्ग के रिटेनिंग वॉल निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना और पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा ने राम मंदिर तालाब के पास राष्ट्रीय राजमार्ग के रिटेनिंग वॉल के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने एनएच विभाग के अधिकारियों को 20 दिसंबर तक निर्माण कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नेशनल हाईवे के अधिकारी प्रज्ञानंद सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन के कार्यों में लापरवाही और गुणवत्ताहीन निर्माण पर कार्रवाई

कोण्डागांव। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन (वैंड) की मासिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना द्वारा दिए गए निर्देशानुसार जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों में लापरवाही, धीमी गति और गुणवत्ताहीन निर्माण को लेकर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (च्भ्म्) विभाग ने कार्रवाई की है। विभाग द्वारा 19 ठेकेदारों के कुल 37 कार्य तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए हैं, जिनकी अनुमानित लागत लगभग 31.17 करोड़ रूपए है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता विरेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि कई ठेकेदारों ने कार्य प्रारंभ नहीं किए या अपेक्षित प्रगति नहीं दिखाई, वहीं कई स्थानों पर पानी टंकी निर्माण और जल आपूर्ति साथ ही बोर खनन कार्य नहीं किए गए थे, इन गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए विभाग ने यह कठोर कदम उठाया है। ठेकेदारों की लगभग 23.38 लाख रुपए की अमानत राशि निरस्त अनुबंधों के शेष कार्य हेतु निविदा भी प्रकियाधीन है, इसके अतिरिक्त सुरक्षा निधि भी राजसात की जाएगी, साथ ही इन ठेकेदारों को आगामी निविदाओं में भाग लेने से प्रतिबंधित (ब्लैकलिस्ट) किया जाएगा। विभाग ने मेसर्स अदिती इन्फ्राबिल्ड, शैलेंद्र सिंह भदौरिया में श्रीग कंस्ट्रक्शन, मेसर्स किसान बोरवेल्स, के. जी. एन. कंस्ट्रक्शन, मेसर्स आकार कंस्ट्रक्शन।

किरन्दुल में एनएसएस का सात दिवसीय विशेष शिविर का हुआ समापन

किरंदुल। एनएसएस का सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन सोमवार बहुत ही हर्षोल्लास के साथ किया गया।कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष रुबी शैलेन्द्र सिंह, विशिष्ट अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रमोद भदौरिया, सहायक खण्ड शिक्षा अधिकारी मनोज राठौर, संकुल समन्वयक शंकर चौधरी, प्रचार्या मगरीता टोप्पो एवं समस्त स्टाफ की उपस्थिति में की गई। उक्त सात दिवसीय विशेष शिविर अंतर्गत एनएसएस के स्वयं सेवकों द्वारा प्रत्येक दिवस में उत्साह के साथ,सभी टीम ने अपने-अपने कार्यों का निर्वहन किया। परियोजना अंतर्गत सोलर पैनल के आस-पास की सफाई,जल निकासी मार्ग, माध्यमिक शाला के आस-पास के सफाई, सामुदायिक भवन की सफाई एवं वृक्षारोपण का कार्य किया। स्वयं सेवकों द्वारा नशामुक्ति पर नारा, रैली एवं नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन कर नशा के दुष्परिणाम एवं नशा छोड़ने हेतु जागरूकता का संदेश पहुंचाया। सभी स्वयंसेवकों ने ग्रुप के अनुसार एकता एवं नेत्तृत्व के साथ ग्राम-वासियों को स्वच्छता का संदेश पहुंचाया।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर स्टेशन पर वाणिज्य विभाग की स्पेशल टीम की त्वरित कार्रवाई से प्रसूता की सुरक्षित डिलीवरी

बिलासपुर। बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर आज मानवीय संवेदनशीलता एवं त्वरित सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया गया। अकलतरा से आई 22 वर्षीय महिला यात्री को स्टेशन परिसर स्थित

सुलभ शौचालय के सामने अचानक लेबर पेन की स्थिति उत्पन्न हुई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वहाँ मौजूद वाणिज्य विभाग की स्पेशल टीम ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की। सूचना मिलते ही एलीट अस्पताल के डॉक्टर, महिला सफाईकर्मी एवं टीम के सदस्यों ने मौके पर पहुँचकर चादर, कपड़े आदि आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई तथा सुरक्षित प्रसव कराते हुए प्रसूता और नवजात दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की। प्रसव के बाद दोनों का प्राथमिक उपचार किया गया। इसके उपरांत महिला एवं शिशु को आगे बेहतर चिकित्सा देखभाल हेतु महतारी योजना एम्बुलेंस द्वारा जिला अस्पताल भेजा गया। वर्तमान में माँ एवं बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं समय पर सहायता प्रदान करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही उन्होने इस त्वरित मानवीय कार्य में शामिल सभी कर्मचारियों एवं चिकित्सकीय टीम की सराहना की

डीईओ ने अनुकंपा नियुक्ति के पूर्व मंगाई दावा-आपत्ति

बिलासपुर। जिला शिक्षा अधिकारी ने कार्यालय में अनुकंपा नियुक्ति के लिए प्राप्त 1 आवेदक के आवेदन के छानबीन के क्रम में 3 दिवस के भीतर आमजनता से दावा आपत्ति मंगाई है। यदि आवेदक के परिवार के कोई भी सदस्य शासकीय सेवा में कार्यरत हो अथवा किसी प्रकार के अपराधिक या न्यायालीन मामले उनके विरूद्ध लंबित हो तो इसकी जानकारी उक्त समयावधि में बंद लिफाफा या स्वयं कार्यालय में उपस्थित होकर जानकारी दे सकते है। डीईओ ने आगे बताया कि मस्तुरी ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक शाला नवापारा नरगोड़ा में प्रधान पाठक के पद पर कार्यरत स्व. श्री रमेश कुमार देवागंन के परिवार से उनके पुत्र श्री लोकेश कुमार देवांगन ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है। आवेदक के संबंध में जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, कक्ष क्रमांक 25 पुरानी कम्पोजिट बिल्डिंग में निर्धारित अवधि में दिया जा सकता है। विलंब से प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

तेज रफ्तार कार ने ऑटो को मारी जोरदार टक्क र, पांच लोग घायल

बिलासपुर। सड़क हादसों पर लगातार लगाम लगाने के प्रयासों के बावजूद जिले में लापरवाह ड्राइविंग के कारण दुर्घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। ताजा मामला नयापारा सिरगिट्टी का है, जहां ग्राम छतौना से लौट रहे पांच लोग एक तेज रफ्तार कार की लापरवाही का शिकार बन गए। हादसे में सभी घायल हुए, जिन्हें न्यू जनता हॉस्पिटल तिफरा में भर्ती कराया गया था। उपचार के बाद पीड़ितों ने चकरभाठा थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित युवक, नयापारा सिरगिट्टी निवासी मजदूर ने पुलिस को बताया कि 15 नवंबर को वह अपने चाचा के गांव छतौना में हुए बर्थडे कार्यक्रम में शामिल होने गया था। उसके साथ उसका दोस्त जितेंद्र यादव भी था। दोनों 16 नवंबर की सुबह अपने घर लौटने के लिए ऑटो से निकले। जब वे पंचायत भवन छतौना के पास पहुंचे। तभी पीछे से आ रही कार क्रमांक ष्टत्र 10 क्क्ष 7503 के चालक ने तेजी और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो पलट गया और उसमें बैठे सभी लोग सड़क पर गिर पड़े। हादसे में शिकायतकर्ता के दाहिने हाथ और दाहिने पैर में चोट आई। उसका दोस्त जितेंद्र यादव भी गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं अन्य सवारियां कुंवारा बाई, अंवेश सूर्यवंशी और दीपक दुबे भी घायल हुए। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की सूचना पीड़ितों के परिजनों को दी और मौके से एंबुलेंस एवं निजी वाहनों की मदद से सभी को न्यू जनता अस्पताल तिफरा पहुंचाया गया। पीड़ितों का अस्पताल में इलाज लगभग दो सप्ताह तक चला। 30 नवंबर को सभी को डिस्चार्ज किया गया इसके बाद 1 दिसंबर को शिकायतकर्ता चकरभाठा थाना पहुंचा और आरोपी कार चालक के खिलाफकार्रवाई की मांग की। उसने बताया कि घटना के प्रत्यक्षदर्शी आसपास के कई लोग हैं, जिन्होंने दुर्घटना को अपनी आंखों से देखा। पीड़ित ने यह भी उल्लेख किया कि रिपोर्ट लिखवाने के बाद पढ़कर सुनाई गई और वही दर्ज की गई, जैसा उसने बताया था। अब वह पुलिस से इस मामले में न्याय की उम्मीद कर रहा है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है और वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध-बिल्हा विधायक

- 200 से अधिक दिव्यांगजन सम्मानित, 42 को मिला सहायक उपकरण

बिलासपुर। समाज कल्याण विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय तिफरा में आज दिव्यांगजनों के सम्मान एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। सवेरे से ही प्रतिभावान दिव्यांग बच्चों द्वारा छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। इन प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती पूजा विधानी, एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी, समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक श्री टीपी भावे सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि गण मौजूद रहे। कार्यक्रम में 200 से भी अधिक दिव्यांगजनों को प्रमाण पत्र एवं मैडल वितरित किये। इस अवसर पर जिला पुनर्वास केन्द्र, बिलासपुर द्वारा चिन्हांकित दिव्यांगजनों में मोटराईज्ड ट्रायसायकल 13 नग, ट्रायसायकल 11 नग, व्हीलचेयर 09 नग, बैसाखी 09 नग इस प्रकार कुल 42 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण अतिथियों द्वारा प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि की आसंदी से बिल्हा विधायक श्री धरम लाल कौशिक ने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित है। दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही है। दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के शिक्षण-प्रशिक्षण, स्वरोजगार एवं सहायक उपकरण वितरण को शासन द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है ताकि वे

आत्मनिर्भर बन सके और सम्मान के साथ जीवन यापन कर सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने दिव्यांगजनों को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दिव्यांगजन किसी से कम नहीं है। अवसर मिलते ही नई मिसाल कायम करते है। शासन द्वारा उनके कल्याण के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक श्री टी.पी. भावे ने कहा की समाज कल्याण विभाग द्वारा पूरे जिले के सभी विकासखण्डों में शिविरों के माध्यम से प्रमाणीकरण, चिन्हांकन, जांच-नाप, सहायक उपकरण वितरण किया जा रहा है। कार्यक्रम में उपनियंत्रक बेल प्रेस श्रीमती बबिता कमलेश, सहायक सांख्यिकी अधिकारी श्री प्रशांत मोकासे, पीडब्ल्यूडी आईकान श्री लीलाधर नांगे, श्री उत्तमराव माथनकर, श्रीमती सरस्वती रामेश्वरी, श्रीमती राजकुमारी सोनी, श्रीमती सरस्वती जायसवाल, लांयस क्लब से श्री हर्ष पान्डेय, अध्यक्ष, श्री रमेश अग्रवाल, सचिव श्री डॉ. दुबे, एवं मनजीत अरोरा, श्री प्रशांत द्विवेदी, श्री प्रदीप शर्मा, श्री संजय खुराना, सुश्री आकांक्षा साह, सौरभ दीवान, दीक्षांत पटेल, अनीश मानिकपुरी श्रीमती उमा पाण्डेय एवं संस्थाओं से शिवानी विडालकर, श्री आर.जे. सिंह, श्रीमती ज्योती तिवारी, सुश्री शोभना शुक्ला, श्रीमती कांती दुबे, श्रीमती अजंली चावडा, श्री अनुप पाण्डेय एवं विभागीय शासकीय पूर्व अशासकीय संस्थाओं के अधिकारी, कर्मचारी का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रशांत मोकासे ने किया।

शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन का काम करने वाले कर्मचारियों सम्मानित हुए

बिलासपुर। मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण कार्य में अपने अधिकार क्षेत्र के मतदान केंद्रों में शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन का काम समय से पहले करने पर अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया। इनमें बिल्हा एवं बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र के तहसीलदार और सुपरवाइजर शामिल है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एसआईआर का काम बेहतर तरीके से करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों का निरंतर हौसला बढ़ा रहे है। इस क्रम में उन्होंने आज फिर 15 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सुपरवाइजरों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सम्मानित होने वाले में विधानसभा क्षेत्र बिल्हा के सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण

अधिकारी (तहसीलदार) राजेन्द्र भारत, सुपरवाइजर अविनाश टण्डन, सुपरवाइजर मनोज साहू, सुपरवाइजर सूरज प्रधान, सुपरवाइजर अशोक भारद्वाज एवं सुपरवाइजर एमएल कोरी शामिल है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र बिलासपुर के सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (तहसीलदार) प्रकाश चंद्र साहू, सुपरवाइजर सुरेश सिंह, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण (तहसीलदार) अधिकारी गरिमा सिंह ठाकुर, सुपरवाइजर संजय विश्वकर्मा, सुपरवाइजर ममता शर्मा एवं सुपरवाइजर पंकज मिश्रा को प्रशस्ति देकर सम्मानित किया। इन सभी ने मतदाता पुनरीक्षण शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य समय के पूर्व कर लिया है।

समर्थन मूल्य एवं कृषक उन्नति योजना से किसान आर्थिक समृद्धि की ओर.....

- जयराम नगर के किसान नरोत्तम लाल ने बेचा 38 क्विंटल धान
- व्यवस्थित, पारदर्शी प्रक्रिया के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

बिलासपुर। राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से जिले के किसानों को राहत मिल रही है,इससे न केवल उनके खेती-किसानी के रकबे में वृद्धि हो रही है बल्कि अनेक कल्याणकारी योजनाओं से उनके जीवन के सपने पूरे हो रहे है। मस्तूरी ब्लॉक के जयरामनगर के किसान श्री नरोत्तम लाल ने धान उपार्जन केंद्र में 38 क्विंटल धान बेचा,वे 4 एकड़ में खेती करते हैं।उन्होंने कहा कि शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से किसानों को आर्थिक संबल मिल रहा है और वे समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं। किसान हितैषी योजनाओं के उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया। जयराम नगर धान खरीदी केंद्र में पहुंचे किसान श्री नरोत्तमलाल ने बताया कि टोकन तुहर हाथ ऐप से उन्होंने टोकन कटवाया है और आसानी से उनका टोकन कट गया, कोई समस्या नहीं आई। उन्होंने बताया कि खाद बीज समय पर मिलने से उनकी उपज भी अच्छी हुई है,और धान बेचने में उन्हें किसी भी तरह की दिक्कत नहीं हुई, सारी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित थी। बारदाने के भी समुचित इंतज़ाम थे। किसान नरोत्तम लाल ने कहा कि शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से किसान समृद्ध हो रहे हैं जिससे वे आधुनिक और तकनीकी कृषि को अपना रहे हैं।

पुलिस ने 48 घंटे में चोरी के दो मामलों का किया पर्दाफाश......

बिलासपुर। जिले की थाना सरकंडा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 48 घंटे में चोरी के दो प्रकरणों का पर्दाफ ाश किया है। पुलिस ने नाबालिग समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 1,11,675 का मशरूका बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 30.11.2025 को प्रार्थी प्रकाश यादव द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 10.11.2025 की रात उसके कमरे की खुली खिड़की से अज्ञात व्यक्ति द्वारा ?6000 नगद, मोबाइल, एवं सोने का मंगलसूत्र (कुल 51,675) चोरी कर लिया गया। रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। इसी प्रकार प्रार्थी लालाराम केंवट ने रिपोर्ट किया कि 05.10.2025 को वह घर में ताला लगाकर ई-रिक्शा चलाने गया था। वापस आने पर उसने देखा कि कमरे से मोबाइल, 5000 नगद, व सोने-चांदी के आभूषण (कुल 60,000) चोरी कर लिए गए हैं। मामले में अपराध दर्ज किया गया। दोनों प्रकरणों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा तत्काल पतासाजी प्रारंभ की गई। दिनांक 01.12.2025 को सूचना मिली कि दो युवक खमतराई काली मंदिर के पास संदिग्ध रूप से मोबाइल बेचने के प्रयास में हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्परता से दबिश देकर संदेही शिवराज यादव व उसके नाबालिग साथी को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने दोनों घरों से चोरी करना स्वीकार किया तथा चोरी का मशरूका-मोबाइल फोन, नगदी रकम एवं सोने-चांदी के जेवर, कुल 1,11,675—बरामद कराया। बरामद सामग्री दोनों प्रकरणों में विधिवत जप्त की गई। आरोपी शिवराज यादव एवं विधि से संघर्षरत नाबालिग को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

श्री रामलला दर्शन योजना:संभाग से 850 और जिले के 225 श्रद्धालु अयोध्या धाम के लिए हुए रवाना...

बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने दिखाई हरी झंडी

बिलासपुर। श्री रामलला दर्शन योजना के तहत आज आस्था स्पेशल ट्रेन बिलासपुर संभाग के 850 श्रद्धालु को लेकर अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस विशेष ट्रेन को बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक, बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती पूजा विधानी, महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती हर्षिता पांडे,जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल मौजूद रहे। बिलासपुर रेलवे स्टेशन से अयोध्या धाम यात्रा के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं का स्टेशन में भव्य स्वागत किया गया। गाजे बाजे और पारंपरिक नृत्य और तिलक लगाकर भक्तों का स्वागत किया गया। ये श्रद्धालु काशी विश्वनाथ का भी दर्शन करेंगे। दर्शन के लिए जा रहे इन श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। सक्ति जिले के

निवासी श्री रूप कुमार पटेल ने कहा कि श्री राम लला के दर्शन करना उनका सौभाग्य है। यह मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहला का ही परिणाम है जो उन जैसे गरीब परिवारों को ये अवसर मिला है।मुंगेली जिले के श्रद्धालु श्री नरसिंह राजपूत और श्री भाई राम पटेल ने बताया कि वे अपनी पत्नी के साथ यात्रा पर जा रहे हैं और अयोध्या दर्शन के लिए बेहद उत्साहित है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशीलता से उम्र के इस पड़ाव पर उन्हें ये अवसर मिला है जिसके लिए वो उनके आभारी है। ग्राम परसदा की मधु चंद्राकर ने भी मुख्यमंत्री का इस विशेष योजना के लिए आभार जताया। अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई इस विशेष ट्रेन में बिलासपुर जिले के 225 यात्री भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या जाने, ठहरने की व्यवस्था, मंदिर दर्शन, नाश्ते और खाने की भी पूरी व्यवस्था रहेगी। इस ट्रेन में टूर एस्कॉर्ट, सुरक्षा कर्मी और चिकित्सकों का दल भी मौजूद रहेगा।

श्री तरुण प्रकाश,महाप्रबंधक ने बहुविभागीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान,बिलासपुर में कवच प्रयोगशाला का शुभारंभ किया....

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने आज बहुविभागीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, बिलासपुर में अत्याधुनिक कवच प्रयोगशाला का शुभारंभ किया । यह प्रयोगशाला स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन प्रणाली कवच के प्रशिक्षण को सुदृढ़ करने तथा कर्मचारियों को वास्तविक परिस्थितियों में संरक्षा संबंधी प्रक्रियाओं की समझ विकसित करने हेतु स्थापित की गई है । इस अवसर पर प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री आदित्य कुमार, प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री गोवर्धन प्रसाद खूँटे, मण्डल रेल प्रबंधक बिलासपुर श्री राजमाल खोईवाल, मुख्यालय एवं मण्डल के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे, जो संरक्षा एवं परिचालन उत्कृष्टता के प्रति दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है । कवच भारतीय रेलवे की स्वदेशी विकसित ऑटोमैटिक ट्रेन संरक्षा प्रणाली है, जिसका उद्देश्य ट्रेन संचालन को अत्यधिक सुरक्षित एवं त्रुटिरहित बनाना है । यह प्रणाली सिग्नल पासिंग एट डेंजर को रोकती है, निर्धारित गति से अधिक होने पर स्वत: ब्रेकिंग सुनिश्चित करती है, दो ट्रेनों के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखती है तथा हेड-ऑन और रियर-एंड टक्कर की संभावना को न्यूनतम करती है । इन-कैब सिग्नल डिस्प्ले, मूवमेंट अथॉरिटी की निगरानी और सतत गति-नियंत्रण जैसी विशेषताएँ इसे अत्याधुनिक बनाती हैं । नवस्थापित कवच प्रयोगशाला में उच्च क्षमता वाले सिमुलेटर के माध्यम से लोगो पायलट, स्टेशन मास्टर, ट्रेन मैनेजर, सिग्नल एवं दूरसंचार कर्मियों को वास्तविक ट्रेन संचालन की विभिन्न परिस्थितियों —एसपीएडी परिदृश्य ओवरस्पीड स्थिति आपातकालीन ब्रेकिंग ट्रेन-टू-ट्रेन टक्कर रोकथाम का जीवंत

प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह सुविधा कर्मचारियों को कवच से जुड़े वास्तविक सिस्टम, उसकी कार्यप्रणाली और परिचालन आवश्यकताओं को समझने में अत्यंत सहायक होगी, जिससे संपूर्ण नेटवर्क पर कवच की तैनाती और उपयोग और भी प्रभावी होगा । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में बड़े पैमाने पर कवच कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें स्टेशन-कवच, लोको-कवच, टॉवर, ओएफसी नेटवर्क तथा अन्य संबंधित अवसंरचना शामिल हैं। लगभग ?1654 करोड़ की लागत से यह कार्य संचालित हो रहा है वर्तमान में नागपुरझारसुगुड़ा सेक्शन (614 रूट किमी) में कवच का कार्य प्रगति पर है। आगामी वित्तीय वर्ष में नागपुर गोंदिया सेक्शन (135 रूट किमी) में कवच रोलआउट का लक्ष्य निर्धारित है। साथ ही कई शाखा लाइनों पर भी कवच स्थापना का कार्य जारी है । महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के कुशल मार्गदर्शन में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में प्रशिक्षण संस्थानों का तेजी से आधुनिकीकरण एवं विस्तार किया जा रहा है । सिमुलेशन-आधारित शिक्षण, डिजिटल प्लेटफॉर्म, उन्नत लैब मॉडल और नवीन तकनीक के उपयोग के माध्यम से कर्मचारियों के कौशल विकास को प्राथमिकता दी जा रही है । यह पहल उच्च संरक्षा मानकों, तकनीकी दक्षता तथा भविष्य के सुरक्षित रेल संचालन को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है । नई कवच प्रयोगशाला दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की संरक्षा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करेगी तथा आने वाले समय में पूरे नेटवर्क में कवच प्रणाली के सफल क्रियान्वयन के लिए एक प्रमुख प्रशिक्षण मंच सिद्ध होगी।

अमीन की भरती परीक्षा 7 दिसंबर को, व्यापम ने जारी किया ड्रेस कोड

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, (व्यापम) द्वारा 7 दिसंबर को बिलासपुर सहित प्रदेश के 16 जिलों में जल संसाधन विभाग के अंतर्गत अमीन भर्ती परीक्षा आयोजित की गई है। पूरे प्रदेश में 2.30 लाख से ज्यादा परीक्षार्थी इसमें शामिल होने के लिए आवेदन किया है। अकेले बिलासपुर में 38 हजार से ज्यादा उम्मीदवारों ने परीक्षा केन्द्र के रूप में बिलासपुर को चुना है। इसके लिए जिले में 126 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। व्यापम के निर्देश पर जिला प्रशासन ने इस परीक्षा के निष्पक्ष और पारदर्शी पूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए परीक्षार्थियों के लिए विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए हैं। व्यापम द्वारा जारी निर्देश के अनुसार परीक्षार्थी परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र का अनिवार्य रूप से अवलोकन कर लें ताकि उन्हे परीक्षा दिवस को कोई असुविधा न हो। परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि उनका फिस्किंग एवं फोटो युक्त पहचान पत्र का सत्यापन किया जा सके । परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। चूकि यह परीक्षा दोपहर 12.00 बजे प्रारंभ हो रहा है। अत: मुख्य द्वार प्रात: 11.30 बजे बंद कर दिया जावेगा। इसलिए समय का विशेष ध्यान रखें। हल्के रंग के आधी बाही वाले कपडे पहनकर परीक्षा देने आये।

दत्त पूर्णिमा पर भगवान दत्तात्रेय की विशेष पूजा-अर्चना

उपासना से जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और धन-वैभव का आगमन होता है।

दत्त पूर्णिमा मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा को बड़े श्रद्धा-भाव से मनाई जाती है। इसे दत्त जयंती भी कहा जाता है। इस पावन दिन को भगवान दत्तात्रेय के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जिन्हें त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश का संयुक्त अवतार माना गया है। इस अवसर पर भक्तजन भगवान दत्तात्रेय की विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। माना जाता है कि इस दिन की गई उपासना से जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और धन-वैभव का आगमन होता है। आइए जानते हैं, दत्त पूर्णिमा 2025 कब है और भगवान दत्तात्रेय कौन हैं?

दत्त पूर्णिमा 2025 कब है?

दत्त पूर्णिमा को अत्यंत मंगलकारी दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन श्रद्धा से की गई पूजा घर में सकारात्मक ऊर्जा लाती है और वातावरण को शांति व सौभाग्य से भर देती है। यह पर्व हर वर्ष मार्गशीर्ष या अगहन माह की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। इस वर्ष दत्त पूर्णिमा का पावन उत्सव गुरुवार, 4 दिसंबर 2025 को मनाया जाएगा। इस दिन भगवान दत्तात्रेय की पूजा के साथ-साथ देवी लक्ष्मी, भगवान विष्णु और शिवजी की आराधना करना भी विशेष रूप से शुभ माना जाता है।

भगवान दत्तात्रेय कौन हैं?

दत्त पूर्णिमा या दत्त जयंती भगवान दत्तात्रेय को समर्पित है। लोककथाओं के अनुसार, ऋषि अत्रि की पत्नी देवी अनुसूइया अपनी अद्भुत पतिव्रता शक्ति के लिए प्रसिद्ध थीं। उनकी इसी शक्ति की परीक्षा लेने के लिए देवियां, लक्ष्मी, पार्वती और सरस्वती ने योजना बनाई। उन्होंने अपने-अपने पतियों, अर्थात् भगवान विष्णु, भगवान शिव और ब्रह्माजी को देवी अनुसूइया के आश्रम में भेजा। तीनों देवता वहां पहुंचकर देवी अनुसूइया से यह विचित्र वर माँगने लगे कि वे उन्हें निर्वस्त्र होकर भिक्षा दें। यह सुनकर भी देवी अनुसूइया विचलित नहीं हुईं। अपने सतीत्व के प्रभाव से उन्होंने तीनों देवताओं को छह माह के बालक का रूप दे दिया और माता के प्रेम से उनका पालन-पोषण किया।

मार्गशीर्ष महीने की पूर्णिमा का दिन मां अन्नपूर्णा देवी को समर्पित

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा (अन्नपूर्णा जयंती) का पावन पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह जयंती अन्न व समृद्धि की देवी माँ अन्नपूर्णा देवी को समर्पित है। मां अन्नपूर्णा को अन्न और समृद्धि की देवी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी शुभ तिथि पर मां पार्वती ने संसार के पोषण और संरक्षण के लिए माता अन्नपूर्णा का दिव्य स्वरूप धारण किया था। देवी अन्नपूर्णा को भोजन, समृद्धि और अन्न की अधिष्ठात्री माना गया है और उनकी आराधना करने से घर में कभी भी अन्न, धन-धान्य, सौभाग्य और पोषण की कमी नहीं रहती। इस वर्ष यह शुभ दिन 4 दिसंबर 2025 को पड़ रहा है।

जो भक्तों के लिए विशेष सौभाग्य, पुण्यफल और आध्यात्मिक उन्नति प्रदान करने वाला माना जा रहा है।

इस दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ की गई पूजा घर-परिवार में स्थायी समृद्धि और मंगल ऊर्जा का संचार करती है।

भगवान शिव ने क्यों मांगी थी भिक्षा?

धार्मिक ग्रंथों में वर्णन मिलता है कि एक समय भगवान शिव ने संसार को यह संदेश देने का मन बनाया कि भोजन के बिना जीवन संभव नहीं है। वे तपस्या, वैराग्य और मोह से मुक्त रहने का उपदेश तो देते रहे, पर यह भी आवश्यक था कि लोग समझें शरीर को टिकाए रखने के लिए अन्न ही सबसे बड़ा आधार है। कथा के अनुसार, एक दिन भगवान शिव ने माता पार्वती से कहा कि संसार मिथ्या है और भोजन का कोई वास्तविक महत्व नहीं है। यह सुनकर माता पार्वती अप्रसन्न हुईं। उन्होंने संसार को शिक्षा देने के लिए अन्न को ही लुप्त कर दिया। कुछ ही समय में धरती पर भयंकर अकाल छा गया। लोग भूख से व्याकुल होने लगे और स्वयं भगवान शिव भी अन्न के अभाव से अत्यंत कष्ट में पड़ गए। तब भगवान शिव ने माता के अन्नपूर्णा स्वरूप का दर्शन किया और उनके सामने भिक्षा पात्र बढ़ाकर विनम्रता से अन्न के लिए याचना की। माता अन्नपूर्णा ने शिवजी के पात्र में अन्न प्रदान किया और दुनिया में पुनः भोजन, पोषण और समृद्धि वापिस आ गई। भगवान शिव ने संसार को यह अमूल्य संदेश दिया अन्न ही जीवन का आधार है।

गरीब, भूखे और पशुओं को भोजन कराना

भूखे मनुष्य या पशु को भोजन कराना मां अन्नपूर्णा के प्रिय कार्यों में से है। ऐसा करने से करुणा बढ़ती है और देवी का आशीष जीवन में फलित होता है।

मां अन्नपूर्णा को प्रसन्न करने के उपाय

अन्न दान और जरूरतमंदों को भोजन कराना: मां अन्नपूर्णा के समक्ष अन्नदान अत्यंत पुण्यदायी माना गया है। इससे जीवन में अन्न, समृद्धि और कृपा बनी रहती है और घर में कभी अभाव नहीं होता।

रसोई की स्वच्छता बनाए रखना: मां अन्नपूर्णा को स्वच्छता अत्यंत प्रिय है। प्रतिदिन रसोई साफ रखना, व्यवस्थित रखना और शुद्ध मन से भोजन बनाना देवी की विशेष कृपा आकर्षित करता है।

घर में अन्नपूर्णा स्तोत्र या मंत्र का पाठ:

ॐ अन्नपूर्णे सदापूर्णे मंत्र का नियमित जप घर में सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक शांति और समृद्धि का संचार करता है तथा परिवार पर देवी की कृपा बनाए रखता है।

भोजन का सम्मान और व्यर्थ न करना:

भोजन को ईश्वर का प्रसाद मानकर आदर करना चाहिए। अन्न को कभी व्यर्थ न करें, क्योंकि उसका सम्मान करना ही देवी अन्नपूर्णा की आराधना का सबसे बड़ा रूप है।

बच्चों के शरीर में खून की कमी पूरी करेंगे ये फूड्स

शरीर में खून की कमी होने पर कमजोरी आने लगती है। वहीं यदि आपके बच्चे भी एकदम से कमजोर होने लगे हैं,तो उनके शरीर में एनीमिया की कमी हो सकती है। डाइट में पोषक तत्वों की कमी होने के कारण बच्चों को एनीमिया हो सकता है। इसके अलावा बच्चे की त्वचा पीली पड़ना, थकान महसूस होना भी बच्चों में एनीमिया के लक्षण ही होते हैं। ऐसे में यदि आप बच्चों के शरीर में खून की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं तो उनकी डाइट में कुछ फूड्स शामिल कर सकते हैं।

टमाटर – सलाद या सैंडविच में टमाटर डालकर आप बच्चों को दे सकते हैं। बच्चे को रोज 1-2 टमाटर खिलाने हैं, बच्चे को आप चाहें तो रोज एक गिलास टमाटर को जूस भी दे सकते हैं। यह विटामिन-सी और लाइकोपीन से युक्त होता है। विटामिन-सी खाद्य पदार्थों से मिलने वाले आयरन को अवशोषित करने में भी मदद करता है।

अनार – प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट और फाइबर से युक्त अनार आप बच्चों को दे सकते हैं। इसमें आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह बच्चे के लिए सूपरफूड है। यदि आप चाहते हैं कि बच्चे में खून की कमी न हो तो आप उन्हें रोजाना 200 ग्राम अनार खिलाएं।

पालक – आधा कप उबली हुई पालक आप बच्चों को दे सकते हैं। पालक में 3.2 मिलीग्राम आयरन पाया जाता है। एक कप पानी में 1/2 कप पालक उबालकर उसका सूप बना दें। पालक को एक गिलास में 2 चम्मच शहद आप पीने को दे सकते हैं। 40 दिनों तक रोज अपने बच्चे को दें।

चुकंदर और सेब – एक कप सेब का रस, एक कप चुकंदर के रस में 1- 2 शहद मिलाएं। तीनों चीजों को अच्छी तरह से मिलाकर बच्चे को दिन में दो बार दें। सेब में आयरन काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है,वहीं दूसरी और चुकंदर में उच्च मात्रा में फोलिक एसिड होने के साथ-साथ फाइबर और पोटैशियम होता है। ऐसे में इन दोनों चीजों को आप बच्चों को दे सकते हैं।

तिल – तिल भी बच्चों में खून की कमी दूर कर सकते हैं। मुख्यतौर पर काले तिल आयरन का अच्छा स्रोत पाए जाते हैं। दो घंटे के लिए तिल के बीजों को भीगोने के लिए रख दें। अब इनका पानी छानकर और तिल को पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में शहद डालकर मिलाएं। बच्चे को दिन में दो बार ये पेस्ट दलिये के रूप में खिलाएं। इसे स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाने के लिए आप इसमें बादाम, काजू और किशमिश जैसे ड्राई फ्रूट्स भी डाल सकती हैं।

मेकअप से पहले कैसे करें स्किन केयर

पार्टनर के साथ डेट पर जाने के लिए महिलाएं खूब तैयारियां करती हैं। इस दिन के लिए वह एक से एक कपड़ों की शॉपिंग करती हैं और खुद को स्टाइल करने के लिए बेहद खूबसूरत जूलरी भी खरीदती हैं। हालांकि, मेकअप में कमी हो जाने पर चेहरा डल और काला दिखने लगता है। अगर आप इस तरह की स्किन से बचना चाहती हैं तो मेकअप से पहले सही स्किन केयर को फॉलो कर लें। अच्छे स्किन केयर को अपनाने पर चेहरा सुंदर और ग्लोइंग दिखेगा, जिससे पार्टनर की नजरें आप पर टिकी रहेंगी।

- क्लींजर, टोनर और मॉइस्चराइजर को अपने रोजाना के स्किन केयर रूटीन में शामिल करें। ये त्वचा के हाइड्रेशन को बढ़ाती है।
- चेहरे पर हाइड्रेटिंग सीरम लगाएं। ये नमी को त्वचा में सील करने के लिए और त्वचा की बनावट में सुधार करने के लिए मदद करती है।
- आंखों के आसपास की देखभाल की जरुरत होती है। ऐसे में अंडरआई एरिया को हाइड्रेट करने, चमकाने और निखार लाने के लिए आई क्रीम या फिर किसी जेल को लगाएं।
- मेकअप से पहले फलों के मास्क को लगाएं। इससे त्वचा में चमक बढ़ती है। केले, सेब, एवोकाडो, पपीता और संतरे जैसे फलों को स्किन पर लगाने से फायदा हो सकता है। इन फलों का गूदा निकालकर चेहरे पर लगाएं और फिर सादे पानी से धोने से पहले पैक को 20 से 30 मिनट तक लगा रहने दें।
- होठों पर हाइड्रेशन की कमी से होंठ जल्दी सूख जाते हैं। ऐसे में ड्राई और फटने से बचाने के लिए नारियल तेल या विटामिन-ई जैसे हाइड्रेटिंग तत्वों से मॉइस्चराइज करें।

सर्दी-जुकाम के लिए फायदेमंद

बेसन का शीरा

बदलते मौसम में खांसी-जुकाम और गला खराब होने जैसी आम समस्या लोगों को होती रहती हैं। इन दिनों मौसम में कभी तेज धूप होती है,तो कभी तेज ठंडी हवा लोगों को परेशान कर देती है। इससे राहत पाने के लिए कुछ नुस्खे काम आ सकते हैं। शरीर को गर्म रखने के लिए बेसन का शीरा फायदेमंद है। किसी को अगर तेज सर्दी और जुकाम है,तो वह भी शीरा पीने पर ठीक हो सकता है।

फायदेमंद है बेसन का शीरा

बेसन का शीरा नेचुरल घरेलू उपचार है। ये बेसन दूध, हल्दी और ताजी पिसी हुई काली मिर्च के साथ धीमी आंच पर पकाया जाता है। इसमें हल्दी और काली मिर्च डालते हैं, जिसमें प्राकृतिक सूजनरोधी और जीवाणुरोधी गुण होते हैं,जो सर्दी से राहत दिलाने में मदद करते हैं। बताए गए तरीके से अगर आप इस ड्रिंक को तैयार करेंगे तो आपको तुरंत फायदे मिलेगा।

शीरा बनाने की सामग्री

2 कप दूध, 1.5 बड़ा चम्मच बेसन, 1/4 चम्मच साबुत काली मिर्च का पाउडर, एक चुटकी हल्दी पाउडर, 3 चम्मच गुड़, 1 बड़ा चम्मच घी, 1 बड़ा चम्मच बादाम, 4-5 इलायची आदि।

कैसे बनाएं शीरा

1) इसे बनाने के लिए एक सॉस पैन में घी गर्म करें, और फिर उसमें बेसन डालें। इसे सुनहरा और खुशबूदार होने तक धीमी आंच पर भून लें।

2) जब ये भुन जाए तो इसमें कुटी हुई इलायची और बादाम डालें।

3) धीरे-धीरे दूध डालें और अच्छी तरह फेंटें ताकि गुठलियां न पड़ें।

4) फिर इसमें हल्दी और पिसी हुई काली मिर्च डालें।

5) इसे 5 मिनट तक फेंटें जब तक यह थोड़ा गाढ़ा न हो जाए।

6) आंच बंद कर दें और फिर गुड़ पाउडर मिलाएं। ध्यान रखें की गुड़ को सबसे अंत में आंच बंद करने के बाद ही डालें, अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो दूध फटने के चांस बढ़ सकते हैं।

7) सर्दी और खांसी से तुरंत राहत पाने के लिए गर्म बेसन का शीरा रात को सोते समय पीएं।

प्रेग्नेंसी में ना खाएं अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड

प्रेग्नेंसी में आमतौर पर हेल्दी चीजों को खाने की सलाह दी जाती है। डॉक्टर भी मां और होने वाले बच्चे के लिए प्रेग्नेंसी के दौरान पोषण युक्त फूड पर फोकस करने की सलाह देते हैं, लेकिन इस दौरान मां को कई चीजों का स्वाद चखने की क्रेविंग होती है और वो इस दौरान मनपंसद खाना खाने की कोशिश करती है। क्रेविंग के चलते प्रेग्नेंसी में मनपंसद खाना सही है लेकिन इस दौरान अल्ट्राप्रोसेस्ड और फास्ट फूड को अवॉइड करना चाहिए। खासकर इस दौरान डिब्बा बंद और प्रोसेस्ड फूड को खाने से बचना चाहिए। चलिए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान किन चीजों को खाने से पहले दो बार सोचना चाहिए।

क्या कहती है स्टडी

गर्भवती महिलाओं को चीज बर्गर और बॉक्स में पैक होकर आने वाली पेस्ट्रीज खाने से पहले दो बार सोचना चाहिए। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसे फूड जो प्रोसेस्ड किए गए हों और प्लास्टिक की पैकिंग में आते हों,वो प्रेग्नेंट महिलाओं को नुकसान कर सकते हैं।

रिसर्च में कहा गया है कि जिन फूड को प्लास्टिक में रैप और पैक किया जाता है, वो फूड प्लास्टिक में मिले कैमिकल पैथलेट के संपर्क में आकर शरीर को नुकसान करते हैं। यहां तक कि फूड डिलीवरी करने वाले व्यक्ति के हाथों में पहने प्लास्टिक के दस्ताने भी फूड में रिएक्शन कर सकते हैं,जिससे मां और होने वाले बच्चे की सेहत को खतरा हो सकता है। एक बार ये कैमिकल शरीर में पहुंच जाए तो रक्त कोशिकाओं में पहुंच जाता है और प्लेसेंटा के जरिए ये गर्भ में पल रहे बच्चे के खून में जाकर मिल जाता है।

मां के साथ साथ बच्चे को भी नुकसान

प्लास्टिक में पाए जाने वाले इस खतरनाक कैमिकल से शरीर को बहुत नुकसान होता है। ये मां के शरीर में खून में घुलता है और बच्चे के भी खून में घुलकर ऑक्सिडेटिव तनाव को जन्म देता है। इससे पेट में पल रहे भ्रूण के विकास पर बहुत बुरा असर पड़ता है। अगर ये भ्रूण के खून में मिल जाए तो बच्चे के जन्म के समय उसका कम वजन, समय से पहले डिलीवरी और बच्चे के मानसिक विकास पर असर पड़ता है। इससे मेंटल हेल्थ संबंधी डिस्ऑर्डर जैसे ऑटिज्म और एडीएचडी जैसे रिस्क हो सकते हैं। आपको बता दें कि ये पहली स्टडी है जिसमें प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के रिस्क बताए गए हैं और ये रिस्क पेथलेट कैमिकल के एक्सपोजर से जुड़े हैं।

भिलाई गोलीकांड के आरोपी करण साव पर बड़ा एक्शन: निगम ने अवैध टैंट हाउस पर चलाया बुलडोजर

दुर्ग। भिलाई के गुरु घासीदास नगर में हाल ही में एक युवक पर गोली चलवाने के मुख्य आरोपी करण साव के अवैध टैंट हाउस और निर्माण पर बुधवार को निगम प्रशासन ने बुलडोजर चला दिया। निगम की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई को अपराध के खिलाफसख्ती के तौर पर देखा जा रहा है।

निगम की कार्रवाई: आज सुबह भारी पुलिस बल के साथ निगम की टीम संतोषीपारा पहुंची। कार्रवाई के दौरान डीएसपी क्राइम और दो थानों के प्रभारी भी भारी संख्या में पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। नगर निगम आयुक्त राजीव पांडेय ने स्वयं खड़े होकर इस अवैध कब्जे को हटवाया। आयुक्त राजीव पांडेय ने बताया कि समृद्धि बाजार के इस क्षेत्र को प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए चिह्नित किया गया है। उन्होंने कहा कि यहां जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों को कई बार नोटिस जारी किए गए थे और आज यह कार्रवाई अंतिम नोटिस के बाद की गई है।

::सामान हटाया गया, विरोध भी हुआ::टैंट हाउस संचालक करण साव के परिवार को कार्रवाई का पहले ही अंदाजा हो

गया था, जिसके चलते उन्होंने टैंट हाउस का सारा सामान पहले ही हटा लिया था।इधर, आरोपी करण साव के भाई सूरज साव ने निगम की कार्रवाई पर पक्षपात का आरोप लगाया है। सूरज साव का कहना है कि निगम ने जानबूझकर केवल उनके मकान और टैंट हाउस को निशाना बनाया, जबकि मोहल्ले में कई अन्य अवैध निर्माण भी हैं जिन पर बुलडोजर नहीं चला। उन्होंने कहा कि परिवार के सदस्यों ने अपराध किया है, वे जेल में हैं और उन पर कानूनी कार्रवाई हो रही है, लेकिन

इस तरह पूरे परिवार की रोजी-रोटी और घर को खत्म करना उचित नहीं है।फिलहाल, निगम की इस कार्रवाई ने क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया है और प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अवैध कब्जों और आपराधिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भिलाई टाउनशिप में जंगली सुअर का हमला, बैंककर्मी महिला गंभीर रूप से घायल

भिलाई। दुर्ग जिले में अब तक कुत्तों के आतंक से जूझ रहे रहवासियों को अब भिलाई के टाउनशिप इलाके में जंगली सुअरों के आतंक का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार की शाम सेक्टर-1 में एक बैंक से काम कर घर लौट रही महिला पर अचानक एक जंगली सुअर ने हमला कर दिया, जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गई है। स्थानीय लोगों ने लंबे समय से इन सुअरों के पालन और खुले घूमने की शिकायत की है, लेकिन बीएसपी प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाया है। मिली जानकारी के अनुसार, संतोषी पारा निवासी राजकुमारी देवांगन सेक्टर-4 स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) शाखा से अपना काम खत्म कर घर लौट रही थीं। शाम करीब 6:30 बजे, जब वह सेक्टर-1 में सीआईएसएफ कार्यालय के सामने से गुजर रही थीं, तभी झाड़ियों से निकलकर एक जंगली सुअर ने उन पर हमला कर दिया। सुअर ने महिला को बुरी तरह नोचा, जिससे वह जमीन पर गिर पड़ीं। इस दौरान महिला की उंगली की स्किन पूरी तरह फट गई, और उनके सिर, चेहरे

व पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं। बताया जा रहा है कि, घटना स्थल के पास ही कुछ बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। महिला की चीख-पुकार सुनकर बच्चे तुरंत मौके पर पहुंचे और उन्होंने मिलकर सुअर को वहां से भगाया। घायल महिला की बहन को घटना की सूचना मिली, जिसके बाद वह तुरंत मौके पर पहुंची और राजकुमारी देवांगन को सुपेला अस्पताल ले गई। प्राथमिक उपचार के बाद, महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। इस घटना के बाद सेक्टर-1 और आसपास के बैंक कैंपस के पास रहने वाले निवासियों में भारी दहशत है। स्थानीय लोगों का कहना है कि टाउनशिप क्षेत्र में कई लोग अवैध रूप से जंगली सुअरों का पालन कर रहे हैं, जो अक्सर खुले में घूमते रहते हैं। निवासियों ने इस संबंध में बीएसपी प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस लापरवाही के कारण आज यह गंभीर हादसा हुआ है। स्थानीय लोगों ने प्रबंधन से तत्काल इन सुअरों को पकड़ने और अवैध पालन करने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।

ट्रेड लाइसेंस शुल्क को लेकर भिलाई चैंबर का विरोध, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

भिलाई नगर। भिलाई चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को दुर्ग कलेक्टर से मुलाकात की और शहरी क्षेत्रों में लागू किए गए ट्रेड लाइसेंस शुल्क का कड़ा विरोध जताया। चैंबर ने इस शुल्क को तत्काल वापस लेने की मांग की है,उनका कहना है कि यह पहले से ही कई करों का बोझ झेल रहे छोटे और बड़े व्यापारियों के लिए एक अतिरिक्त और अनुचित आर्थिक बोझ है।

चैंबर के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को बताया कि गुमास्ता लाइसेंस के प्रावधान पहले से ही लागू हैं, ऐसे में एक नए ट्रेड लाइसेंस शुल्क की कोई आवश्यकता नहीं है।

मुख्य मांगें इस प्रकार प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि यह नया शुल्क व्यापारियों के लिए अत्यंत कष्टदायक है और इससे व्यापार में रुकावट पैदा होगी।

अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्रा ने तर्क दिया कि यदि व्यापारियों पर अतिरिक्त बोझ डाला जाता है, तो उत्पादों के दाम बढ़ जाएंगे, जिसका सीधा असर उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। चैंबर के चेयरमैन दिनकर बासोतिया ने राज्य शासन से अपील की कि इस शुल्क में तुरंत राहत दी जाए और भविष्य में इसे पूरी तरह समाप्त किया जाए।

कलेक्टर ने चैंबर के प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया है कि उनकी चिंताओं और मांगों को राज्य सरकार की आगामी बैठकों में गंभीरता से रखा जाएगा।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में सुनील मिश्रा, चिन्ना राव, शिवराज शर्मा, विकास जयसवाल और मनोहर कृष्णानी सहित कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। चैंबर ने स्पष्ट किया है कि जब तक यह शुल्क समाप्त नहीं हो जाता, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

दुर्ग में साई महोत्सव की शुरुआत : मेहंदी व ड्राइंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दिखाया अपना हुनर

4 को होगा भव्य भंडारा

दुर्ग। कसारीडीह सिविल लाइन स्थित प्रसिद्ध श्री साई बाबा मंदिर में तीन दिवसीय 49वें वार्षिक साई महोत्सव का मंगलवार को भव्य शुभारंभ हुआ। सुबह मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित कैलाश चंद्र तिवारी के सानिध्य में श्री साई बाबा की महाअभिषेक व आरती पूजन किया गया। महोत्सव का पहला दिन होने से मंदिर में दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतारे लगी रही। श्रद्धालु साई भजन की धुन में नाच गाकर अपनी आस्था प्रकट करते रहे। जिससे मंदिर में श्रद्धा भक्ति का अद्भुत माहौल बना। दर्शन के लिए छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू सपरिवार मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने स्व. कमला देवी साहू की स्मृति में नवनिर्मित श्री साई और श्रीराम द्वार का लोकार्पण किया। इस दौरान श्री साहू के पुत्र कांग्रेस नेता जितेंद्र साहू, भूषण साहू, हर्ष साहू के अलावा परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। मंदिर समिति द्वारा द्वार निर्माण में श्री साहू परिवार के योगदान की सराहना की गई। दोपहर बाद मेहंदी एवं ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर अपनी उत्कृष्ट कला कौशल का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता शिवाकांत तिवारी और प्रीति राजपूत के मार्गदर्शन व संध्या साहू, तृप्ति राऊत, गिरजा कोशरे, गुनगुन राऊत, मेधा चंदेल के सहयोग से आयोजित किए गए। प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. ज्योति धारकर, डॉ. रोहिणी पाटणकर, मनीष ताम्रकार, श्वेता तिवारी, लता तिवारी रहे। साई महोत्सव में पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व महापौर आरएन वर्मा, छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के संरक्षक संजय रुंगटा, दुर्ग जिला अध्यक्ष अनूप गटागट, पार्षद सरिता विनोद चंद्राकर, मनीष कोठारी, पूर्व पार्षद ऋषभ जैन, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अल्ताफ अहमद, अजय मिश्रा, राजकुमार पाली, दुर्ग जिला अस्पताल जीवनदीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर के अलावा भाजपा, कांग्रेस व अन्य राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधि दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे। जनप्रतिनिधियों ने श्री साई बाबा के दर्शन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली व समृद्धि के लिए कामना की। मंदिर में सुबह से लेकर देर रात्रि तक भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धुन गूंजयमान रही।दोपहर में श्री सत्य साई भजन मंडली ने भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया। श्री साई महोत्सव के पहले दिन सार्वजनिक श्री साई महोत्सव समिति के अध्यक्ष श्रीकांत समर्थ, सचिव धनेंद्र सिंह चंदेल, उपाध्यक्ष धीरेंद्र शर्मा, शिवाकांत तिवारी, कोषाध्यक्ष सुजीत गुप्ता, सचिव संतोष यदु, प्रचार सचिव सुरेश साहू, अजय सुरपाम, कार्यकारिणी सदस्य विनय चंद्राकर, गणेश निर्मलकर, राकेश सेन, सदस्य रोमनाथ साहू, मुरलीधर राऊत, जयंत खिरोड़कर, दिनेश शर्मा, राजेश धारकर, श्रीधर भजने, सतीश समर्थ, बीएल अग्रवाल, प्रशांत राऊत, अरविंद लोखंडे, अंकित पांडे, मोनू साहू के अलावा अन्य सदस्य व श्रद्धालु व्यवस्था बनाने में जुटे रहे।

महोत्सव के दूसरे दिन 3 दिसम्बर को सुबह 7.30 बजे सामूहिक आरती एवं प्रसाद वितरण, सुबह 9.30 बजे सत्यनारायण कथा व पूजन, दोपहर 12 बजे सामूहिक आरती एवं प्रसाद वितरण, दोपहर 1 बजे श्री साई भजन मंडली एवं श्री साई सत्संग महिला मानस मंडली कसारीडीह द्वारा साई भजनों की प्रस्तुति, दोपहर 2 बजे रंगोली एवं पूजा की थाली सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन, शाम 6.30 बजे सामूहिक आरती एवं प्रसाद वितरण और संध्या 7:30 बजे प्रसिद्ध भजन गायक अंकित तिवारी भिलाई द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। महोत्सव के अंतिम दिन 4 दिसंबर को सुबह 7:30 बजे आरती एवं प्रसाद वितरण, दोपहर 12 बजे आरती, दोपहर 1 बजे से संध्या 5 बजे तक भंडारा (महाप्रसादी) का आयोजन किया गया है। इसके अलावा दोपहर 2 बजे साई सत्संग महिला मंडली कसारीडीह द्वारा श्री साई भजन की प्रस्तुति, संध्या 6:30 बजे आरती एवं प्रसाद वितरण, संध्या 7 बजे श्री साई बाबा की मनमोहक पालकी शोभायात्रा और रात्रि 9 बजे शेज आरती उपरांत महोत्सव का समापन होगा।

शीत लहर : दुर्ग जिला प्रशासन का अलर्ट

बचाव के लिए दिशा निर्देश जारी

दुर्ग। जिले में ठंड की बढ़ती तीव्रता और संभावित शीत लहर (कोल्ड वेव) के गंभीर स्वास्थ्य प्रभावों को देखते हुए, दुर्ग जिला प्रशासन ने आम नागरिकों के लिए विस्तृत सुरक्षा दिशानिर्देश जारी किए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी इन निर्देशों में नागरिकों से अपील की गई है कि वे हाइपोथर्मिया (शरीर का तापमान अत्यधिक गिरना) और फ्रॉस्टबाइट (ठंड से ऊतकों का जमना) जैसी गंभीर समस्याओं से बचने के लिए एहतियाती कदम उठाएं। शीत लहर से बचाव के लिए कि शरीर पूरी तरह ढका हो। यदि कपड़े गीले हो जाएं, तो उन्हें तुरंत बदलें। इसके अलावा बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें।

दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई: तलवारें बेचता आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल

दुर्ग। दुर्ग पुलिस द्वारा जिले में प्रतिबंधित और अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफविशेष अभियान चलाया जा रहा हैं।इसी के तहत, पुलगांव पुलिस ने आज एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने शिवनाथ नदी के पास अवैध रूप से तलवारें बेच रहे एक आरोपी को 6 नग धारदार तलवारों के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। थाना पुलगांव पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शिवनाथ नदी पर गुरुद्वारा के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से धारदार हथियार (तलवारें) बेच रहा है। सूचना मिलते ही, पुलगांव पुलिसमौके पर पहुंची जहां टीम ने पाया कि एक व्यक्ति तलवारों की अवैध बिक्री कर रहा था। पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना नाम निर्मल सिंह बताया। तलाशी के दौरान 6 नग लोहे की तलवारें जब्त की गईं।आरोपी निर्मल सिंह,उम्र 60 साल, अमृतसर, पंजाब का रहने वाला है। पुलगांव थाने में उसके खिलाफ धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

बंधन बैंक में साइबर ठगी : 27 'म्यूल खातों' से 1.20 करोड़ रुपये का अवैध लेनदेन, 8 गिरफ्तार

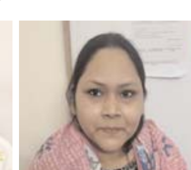

दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने बंधन बैंक की नेहरू नगर शाखा में खोले गए 27 बैंक खातों का उपयोग साइबर धोखाधड़ी से प्राप्त धन के अवैध लेनदेन (म्यूल अकाउंट) में किए जाने का भंडाफोड़ किया है। इन खातों के माध्यम से कुल 1 करोड़ 20 लाख 57 हजार 549 रुपये का अवैध रूप से लेनदेन पाया गया है।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा संचालित ÷समन्वय÷ पोर्टल से प्राप्त जानकारी के आधार पर, यह खुलासा हुआ कि इन खातों का इस्तेमाल मुख्य रूप से साइबर ठगी से मिली रकम को ठिकाने लगाने के लिए किया जा रहा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए, थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 1322/2025 के तहत संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान, पुलिस ने पाया कि खाताधारकों ने जानबूझकर अपने खातों का उपयोग साइबर फ्रॉड से प्राप्त रकम की हेराफेरी में किया था। कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने अब तक कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शामिल हैं:

रणजीत महानंद (उम्र 24 वर्ष, निवासी रावणभांठा सुपेला, दुर्ग), परमीला बाई जंघेल (उम्र 48 वर्ष, निवासी शिवाजी नगर खुर्सीपार, दुर्ग), के0 आकाश राव (उम्र 20 वर्ष, निवासी सेक्टर 02 भिलाई भट्ठी, दुर्ग), विपिन कुमार सिरसाम (उम्र 35 वर्ष, निवासी रिसाली सेक्टर 31, नेवई, दुर्ग), मानवी बेरी (उम्र 49 वर्ष, निवासी सेक्टर 04 भिलाई भट्ठी, दुर्ग), आशीष गुप्ता (उम्र 42 वर्ष, निवासी दीनदयाल कॉलोनी खम्हरिया, सुपेला, दुर्ग), पिंकी कुर्रे (उम्र 36 वर्ष, निवासी क्वार्टर 883/884 आदित्य नगर, मोहन नगर, दुर्ग) पुलिस अन्य खाताधारकों की तलाश कर रही है।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी व्यक्ति को अपना बैंक खाता इस्तेमाल करने के लिए न दें, और न ही थोड़े से पैसों के लालच में साइबर फ्रॉड से संबंधित रकम का लेनदेन अपने खाते में करें। ऐसा करना कानूनी अपराध है।

अहिवारा का प्राचीन बान बरद मंदिर, जहां गौ हत्या के पाप से मिलती है मुक्ति; माघ पूर्णिमा पर लगता है भव्य मेला

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत स्थित प्राचीन 'बान बरद' का विष्णु मंदिर आस्था का एक अनूठा केंद्र है। यह मंदिर देश का संभवतः एकमात्र ऐसा धार्मिक स्थल है, जहाँ यह मान्यता है कि गौ हत्या जैसे महापाप के श्राप से मुक्ति मिलती है। यहाँ भगवान विष्णु अपनी पत्नी माता लक्ष्मी के साथ विराजमान हैं।

द्वापर युग की पौराणिक कथा– इस मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथा द्वापर युग की है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान कृष्ण और राक्षस बाणासुर के बीच हुए युद्ध के दौरान, बाणासुर ने छलपूर्वक भगवान कृष्ण की कई गायों का वध कर दिया था। इस कृत्य के

कारण बाणासुर पर गौ हत्या का भयंकर पाप लग गया।

इस पाप से मुक्ति पाने के लिए जब बाणासुर ने भगवान कृष्ण से प्रार्थना की, तब भगवान कृष्ण ने उसे एक उपाय बताया। कृष्ण ने बाणासुर से कहा कि वह बान बरद की बावड़ी में खुदाई करे, वहाँ प्राप्त होने वाली भगवान विष्णु की प्रतिमा स्थापित करे और कुंड में स्नान करे।

पापमोचन कुंड और मंदिर– भगवान कृष्ण के बताए निर्देशानुसार, बाणासुर द्वारा निर्मित वह प्राचीन बावड़ी आज भी मंदिर के समीप मौजूद है, जिसे 'पापमोचन कुंड' के नाम से जाना जाता है। इसी कुंड की खुदाई के दौरान भगवान विष्णु की भव्य प्रतिमा प्राप्त हुई थी, जिसे बावड़ी के पास ही स्थापित किया गया। यह स्थल अब प्राचीन विष्णु मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है।

तीर्थ स्थल के रूप में पहचान– कलयुग में इस स्थान को एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल के रूप में पूजा जाता है। भक्तों की असीम श्रद्धा के चलते यहाँ अन्य देवी-देवताओं के छोटे मंदिर भी निर्मित किए गए हैं, लेकिन मुख्य आकर्षण केंद्र आज भी वही प्राचीन विष्णु मंदिर है।

इस मंदिर की निगरानी छत्तीसगढ़ पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के हाथों में सुरक्षित है। हर साल माघ पूर्णिमा के अवसर पर यहाँ एक भव्य मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचते हैं और भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com